www.mumbaitarang.com
RNI No. MAHHIN/2020/78591

मुंबई तरंग

ना संघर्ष, ना तकलीफ ....
तो क्या मजा है जीने में
बड़े-बड़े तूफान थम जाते हैं
जब आग लगी हो सीने में ...!!

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
YOGI Property
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल
उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-01 ❖ मुंबई ❖ रविवार 27 दिसंबर 2020 से 02 जनवरी 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
पुलिस ने बताया- पहले दिन से रेडार पर थे टीआरपी घोटाले के आरोपी

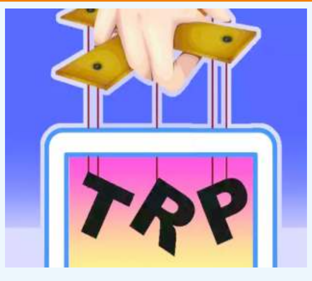

पेज 5
आंदोलनकारी किसानों के सुर हुए नरम, सरकार के साथ 29 दिसंबर को बातचीत का दिया प्रस्ताव

पेज 7
'जग्गा जासूस' से निकाले गए थे गोविंदा, अनुराग बसु ने बताया कारण

पेज 8
आम आदमी के लिए जनवरी में चलेगी लोकल! 10 दिन में फैसला-वडेट्टीवार

कोरोना के खतरे की जानकारी हो इसलिए नाइट कर्फ्यू! मुख्यमंत्री ने आलोचकों को फटकारा

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगने के बाद राज्य सरकार की ओर से मुंबई मेट्रो-3 परियोजना के कारशेड के लिए वैकल्पिक जगह के रूप में बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में बुलेट ट्रेन परियोजना की जमीन पर विचार किए जाने को लेकर विपक्षी दल भाजपा ने आलोचना की है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई उपनगर के जिलाधिकारी के मेट्रो कारशेड के लिए कांजुरमार्ग में 102 एकड़ साल्ट पैन जमीन आवंटित किए जाने के आदेश पर रोक लगा दिया था। जिसके बाद मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडी) को मेट्रो कारशेड के लिए वैकल्पिक जगह खोजने के निर्देश दिए हैं। डुबाने वाली है यह सलाहः फडणवीस इस पर शुक्रवार को विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह समझ नहीं आता है कि सरकार का सलाहकार कौन है? बीकेसी में कारशेड बनाने की बात हास्यास्पद और बचकानी है। कारशेड के लिए बीकेसी में 25 से 30 हजार करोड़ रुपए की जमीन लेनी पड़ेगी। नागपुर में पत्रकारों से बातचीत में फडणवीस ने कहा कि बीकेसी में बुलेट ट्रेन का स्टेशन भूमिगत बनाया जाना है। स्टेशन के लिए भूतल पर केवल 500 मीटर की जगह का इस्तेमाल होगा। बाकी जगह पर इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर की इमारतें बनेंगी। लेकिन इसी जमीन पर भूमिगत मेट्रो कारशेड बनाया जाएगा तो इसके लिए 500 करोड़ रुपए की जगह पर 5 हजार करोड़ से अधिक राशि खर्च होगी। इसके अलावा कारशेड के वार्षिक रखरखाव के लिए पांच गुना खर्च बढ़ जाएगा। इसलिए यह सलाह सरकार को डूबाने वाली है।

बीकेसी के विकल्प पर हो रहा विचारः राऊत

इसके जवाब में प्रदेश के नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री कारशेड की जगह को लेकर लोगों से चर्चा के बाद सर्वसहमति से फैसला करेंगे। यह फैसला जनता के हित में होगा। शिंदे ने कहा कि कारशेड को लेकर विपक्ष केवल राजनीति के लिए राजनीति न करे। उन्होंने कहा कि यदि कांजुरमार्ग में कारशेड बनता तो परियोजना पर खर्च कम होता। जबकि शिवसेना सांसद संजय राऊत ने कहा कि कारशेड को लेकर विपक्ष चिंता न करे। बीकेसी में कारशेड के निर्माण के विकल्प पर विचार किया जा रहा है। इससे पहले पूर्व की भाजपा सरकार ने मुंबई मेट्रो-3 के कारशेड के लिए गोरेगांव के आरे कॉलोनी में बनाने का फैसला किया था। लेकिन पर्यावरण प्रेमियों ने आरे कॉलोनी में कारशेड के निर्माण का तीव्र विरोध किया था। उनका कहना था कि कारशेड बनाने के लिए पेड़ों की कटाई करना पर्यावरण के लिए ठीक नहीं है। जिसके बाद 11 अक्टूबर 2020 को महाविकास आघाड़ी सरकार ने पूर्व की फडणवीस सरकार के फैसले को दरकिनार करते हुए कांजुरमार्ग में कारशेड बनाने का फैसला किया था।

मुंबई की सड़कों पर नए साल के मौके पर तैनात किए जाएंगे 35,000 पुलिसकर्मी

मुंबई, नए साल की पूर्व संध्या पर कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मुंबई की सड़कों पर करीब 35,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा।

एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

महाराष्ट्र सरकार ने पहले ही कोविड-19 महामारी के मद्देनजर प्रतिबंध लगा दिए हैं और पांच जनवरी तक रात 11 बजे से सुबह छह बजे तक रात्रि कर्फ्यू लगा दिया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) विश्वास नांग्रे पाटिल ने कहा कि नए साल की पूर्व संध्या पर कड़ी निगरानी रखने के लिए

मुंबई पुलिस के करीब 35,000 कर्मी सड़कों पर होंगे। अधिकारी ने कहा कि रात्रि कर्फ्यू को देखते हुए नए साल का जश्न रात 11 बजे से पहले आयोजित किया जा सकता है, लेकिन उसके बाद निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि होटल, रेस्तरां और अन्य प्रतिष्ठानों को 11 बजे अपने शटर बंद करने के लिए कहा गया है और मानकों का उल्लंघन करने वाले मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पाटिल ने कहा कि कर्फ्यू आदेशों के अनुसार पांच से अधिक लोगों का जमा होना मना है। उन्होंने कहा कि इन प्रतिबंधों के बावजूद लोग गेटवे ऑफ इंडिया, मरीन ड्राइव, गिरगौम चौपाटी, जुहू, गोराई और मड आईलैंड क्षेत्रों में शाम से चार से कम व्यक्तियों के छोटे समूहों में इकट्ठा हो सकते हैं, लेकिन पुलिस इन स्थानों पर भीड़ की अनुमति नहीं देगी। उन्होंने कहा कि इन स्थानों पर पर्याप्त पुलिस सुरक्षा रहेगी। नावों और छतों पर पार्टियों की भी अनुमति नहीं है। अधिकारी ने कहा कि इसके अलावा उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने के लिए विभिन्न स्थानों पर छेड़छाड़ निरोधी दस्ते मौजूद रहेंगे । एक अन्य अधिकारी ने कहा कि हर साल की तरह यातायात पुलिस भी, नशे में और लापरवाही से गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाएगी।

पुलिस ने जप्त किया 'नशे' का जखीरा

मुंबई, थर्टी फर्स्ट की रात में जश्न मनाने को लेकर कई तरह की योजनाएं बनाई जाती हैं। हालांकि इस बार नाइट कर्फ्यू के चलते जश्नबाजों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। इसके बावजूद चोरी-छिपे नशे में मस्त होनेवालों को एक झटका और लगा है। मुंबई पुलिस ने थर्टी फर्स्ट की प्लानिंग को फुस्स करते हुए नशे का जखीरा जब्त किया है जिसके अंतर्गत साढ़े ३ टन हुक्का और उससे संबंधित चीजों को जब्त किया गया है। पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नशाखोरों का हुक्का-पानी ही बंद कर दिया है।

पुलिस के मुताबिक हुक्के की कीमत ८० लाख रुपए है। मुंबई के गोरेगांव पूर्व से ८० तरह के फ्लेवर्ड हुक्का जब्त किया गया है। सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वझे के मुताबिक इस मामले में ५ आरोपियों के खिलाफ कुरार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। खबर लिखे जाने तक इस मामले में किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। समाजसेवा ब्रांच के अधिकारी संजय पाटिल को गुप्त तरीके से सूचना मिली थी कि गोरेगांव पूर्व के जनरल एके वैद्य मार्ग के पास मौर्या कंपाउंड के एक गोडाउन में बहुत अधिक मात्रा में हुक्के एवं अन्य नशे की सामग्री रखी हुई है। जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी सचिन वझे के साथ समाजसेवा शाखा की एक टीम ने छापा मारकर ८० लाख रुपए का साढ़े ३ टन हुक्का जब्त कर लिया। जब्त सामग्री में तरह तरह का फ्लेवर्ड हुक्का था।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थर्टी फर्स्ट के अवसर साढ़े तीन टन हुक्का को एक लाख से अधिक लोगों को सप्लाई किया जाने वाला था। पुलिस ने बताया कि जल्द ही इस मामले में गिरफ्तारी की जाएगी।

बता दें संयुक्त पुलिस आयुक्त विश्वास नांगरे पाटील ने बुधवार को कहा था कि ५ जनवरी तक रात ११ बजे से सुबह ६ बजे तक पब, रेस्टोरेंट, बार और थिएटर जैसी जगहों को बंद रखना होगा। कर्फ्यू के दौरान ५ या ५ से अधिक लोग एक साथ बाहर नहीं निकल सकते। पाटील ने बताया कि नाईट कर्फ्यू का उद्देश्य यही है कि लोगों को भीड़ इकट्ठा कर पार्टी करने से रोका जाय।

योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में विकास कार्यों की गति तेज करने के दिए निर्देश, बोले- राम की जन्मस्थली में मिले हर सुविधा

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में विकास कार्यों की गति तेज करने के शनिवार को निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि भगवान राम की जन्मस्थली के महत्व को ध्यान में रखकर केन्द्र व राज्य सरकार उसे उसके प्राचीन गौरव के अनुरूप प्रतिष्ठित करने के लिए संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री शनिवार को यहां लोक भवन में अयोध्या धाम के समेकित पर्यटन विकास संबंधी कार्यों के प्रस्तुतीकरण का अवलोकन कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अयोध्या नगरी का विकास इस प्रकार से किया जाए जिससे वहां पहुंचने वाले लोगों को स्तरीय सुविधाएं प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि अयोध्या में विकास कार्यों की गति तेज की जाए और यातायात की व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए सड़कों को चौड़ा किया जाए। सीएम योगी ने कहा कि विभिन्न दिशाओं से अयोध्या पहुंचने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए सड़कों का प्रभावी और निर्बाध नेटवर्क तैयार किया जाए तथा सड़कों के दोनों ओर पेयजल, शौचालय जैसी जनसुविधाओं की अच्छी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अपने वाहनों से आने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए विभिन्न स्थलों पर 'मल्टी लेवल' पार्किंग का निर्माण किया जाए।

यूपीए का दायरा बढ़ाने का समय आ गया है, केंद्र के तानाशाही रवैये के खिलाफ एकजुट हो विपक्ष-संजय राउत

मुंबई, शिवसेना सांसद संजय राउत ने शनिवार को कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील मोर्चा (यूएपी) का दायरा बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने साथ ही कहा कि विपक्ष को केंद्र के 'तानाशाही रवैये' के खिलाफ एकजुट होना चाहिए और नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ 'मजूबत विकल्प' देना चाहिए।

राउत ने संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि सोनिया गांधी ने गत वर्षों में यूपीए का प्रभावी तरीके से नेतृत्व किया है और अब समय आ गया है कि और सहयोगियों को शामिल कर इसका विस्तार किया जाए। यूपीए का नेतृत्व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार को देने के कयासों के बारे में पूछे जाने पर राउत ने कहा कि देश में नेताओं की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, 'लोगों का समर्थन महत्वपूर्ण है। सोनिया गांधी के साथ शरद पवार को भी समाज के विभिन्न धड़ों का समर्थन प्राप्त है।' राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा, 'सभी विपक्षी पार्टियों को केंद्र सरकार के तानाशाही रवैये के खिलाफ एकसाथ आना चाहिए। कमजोर विपक्ष लोकतंत्र के लिए खराब है।' राउत ने यूपीए और भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 'खाली माचिस की डिब्बियां' करार देते हुए कहा कि कोई नहीं जानता कि कौन सी पार्टी किस गठबंधन में है। शिवसेना पहले बीजेपी नीत राजग का हिस्सा थी। जब राउत से पूछा गया कि यूपीए का नेतृत्व किसे करना चाहिए तो उन्होंने कहा, 'कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गत वर्षों में यूपीए का बहुत सफलतापूर्वक नेतृत्व किया है। अब समय आ गया है कि इसके दायरे को बढ़ाया जाए।' उन्होंने कहा विभिन्न राज्यों में कई पार्टियों ने भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ा है लेकिन अब भी यूपीए का हिस्सा नहीं हैं। राउत ने कहा, 'सभी विपक्षी पार्टियों को एक साथ आना चाहिए और भाजपा एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मजबूत विकल्प देना चाहिए, जो काफी सशक्त हैं।' शिवसेना प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि विकास कार्यों के लिए गैर बीजेपी शासित राज्यों को केंद्र सरकार के असहयोगात्मक रवैये का सामना करना पड़ रहा है।

महाराष्ट्र के किसानों का समूह दिल्ली की सीमा पर प्रदर्शन में शामिल हुआ ·ऑल इंडिया किसान सभा

मुंबई, ऑल इंडिया किसान सभा (एआईकेएस) के एक नेता ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र से किसानों का एक समूह दिल्ली की सीमा पर पहुंचकर प्रदर्शन में शामिल हुआ है। उन्होंने कहा कि किसानों ने सरकार के साथ अपने मुद्दों पर चर्चा करने की इच्छा प्रकट की है लेकिन वे चाहते हैं कि तीनों नये कृषि कानूनों के कुछ खास प्रावधान हटा दिए जाएं। नये कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग को लेकर जारी आंदोलन में शामिल होने के लिए सोमवार को महाराष्ट्र के नासिक से हजारों की संख्या में किसान दिल्ली के लिए निजी वाहनों से रवाना हुए थे। ऑल इंडिया किसान सभा के सचिव (महाराष्ट्र) अजित नावले ने एक बयान में कहा, ''नयी दिल्ली की एक सीमा पर हमारा जोरदार स्वागत किया गया। यहां धरने पर बैठे किसानों ने हमारा स्वागत किया और उनके साथ (आंदोलन में) शामिल होने के लिए हमें धन्यवाद दिया। '' उन्होंने कहा, '' किसानों ने सरकार के साथ अपने मुद्दों पर चर्चा करने की इच्छा प्रकट की है। लेकिन हम चाहते हैं कि हाल ही में पारित इन कानूनों के कुछ खास प्रावधान, जो किसानों के हितों की सुरक्षा नहीं करते हैं, हटा दिए जाएं। '' किसान सभा के मुताबिक महाराष्ट्र के 21 जिलों के किसान दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। उल्लेखनीय है कि सरकार और प्रदर्शनकारी किसानों के प्रतिनिधियों के बीच कई दौर की वार्ता हुई है लेकिन वह नये कृषि कानूनों को लेकर जारी गतिरोध को तोड़ पाने में नाकाम रही है। दिल्ली की सीमाओं पर धरना-प्रदर्शन कर रहे किसानों में ज्यादार पंजाब और हरियाणा से हैं।

सॉफ्टवेयर की मदद से हो रही थी टिकटों की दलाली

मध्य रेलवे ने नया आईटी सेल और स्किल डिवेलपमेंट सेंटर शुरू किया

मुंबई, विजिलेंस और आरपीएफ की एंटी टाउट स्क्वॉड (ATS) ने टिकटों की कालाबाजारी कर रहे कुर्ला से दो दलालों को गिरफ्तार किया है। नरेंद्र प्रजापति और शकील चौधरी नाम के इन दोनों आरोपियों पर टिकट दलाली का आरोप है। चेंबूर आरपीएफ की पूछताछ में इन दलालों ने बताया कि वे 200 से 300 रुपये अतिरिक्त कीमत वसूलकर टिकटों की कालाबाजारी करते थे।

टिकट दलाली और उनकी कालाबाजारी में सक्रिय लोग आजकल हाईटेक हो चुके हैं। कुर्ला में हुई कार्रवाई में भी आरपीएफ ने आरोपी के लैपटॉप में टिकट बुकिंग के कुछ सॉफ्टवेयर जब्त किए। इन सॉफ्टवेयर की मदद से यात्रियों की पूरी लिस्ट एक साथ टाइप होने और कैपचा बाईपास होने जैसी तरकीबें भी होती हैं। इनकी मदद से कालाबाजारी में सक्रिय लोग आसानी से टिकट बुक कर लेते हैं, जबकि साधारण व्यक्ति अपनी बारी का इंतजार करता रहता है।

जब्त किए सौ से ज्यादा ई-टिकट

आरपीएफ ने आरोपी नरेंद्र प्रजापति के यहां रेड करके कुल 112 ई टिकट जब्त किए। इन सभी टिकटों को सॉफ्टवेयर की मदद से निकाला गया था। इन टिकटों की कीमत ₹ 1,60,072 रुपये है। आरपीएफ ने बताया कि टिकटों को सीज कर दिया गया है। इसका मतलब है इन टिकट पर यात्रा करना अवैध है और यात्री से पूरी टिकट की रकम, जुर्माना वसूला जाएगा और सीट भी नहीं मिलेगी। मध्य रेलवे ने शुरू की आईटी सेल डिजिटल एज में टिकटों की कालाबाजारी भी नए तरीकों से हो रही है। कई बार सोशल मीडिया के जरिए गोरखधंधा चलता है। रोज नए सॉफ्टवेयर डिवेलप हो रहे हैं। इन तमाम तरीकों पर नकेल कसने के लिए अब मध्य रेलवे ने नया आईटी सेल और स्किल डेवलपमेंट सेंटर शुरू किया है। हाल ही में इसका उद्घाटन मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजीव मित्तल ने किया था। नए आईटी सेल में प्रबल नाम से एक सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है, जिसे मार्केट के एक्सपर्ट्स ने बनाया है। इस सॉफ्टवेयर से अपराधियों का कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर), सब्सक्राइब डिटेल रिकॉर्ड (एसडीआर) उनके वित्तीय लेन देन और सीसीटीवी फुटेज खंगालने का काम होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए अपराध पर नजर रखी जाएगी। इस तरह रोका जाएगा ऐसे अपराध को मध्य रेलवे सुरक्षा बल ने कुछ अधिकारी आईआईटी बैकग्राउंड से हैं। इसके अलावा, मार्केट से कुछ एक्सपर्ट्स का सहयोग लेकर अपराध को सुलझाने में और स्टाफ को ट्रेंड करने का काम इन सेंटर में किया जा रहा है।

मध्य रेलवे के अनुसार इसके लिए पेशेवर लोगों को काम पर रखा गया है। एक अधिकारी ने बताया कि 80 प्रतिशत काम आईटी के माध्यम से हो रहा है। ऐसे में साइबर अटैक इत्यादि से बचने की तैयारी भी करनी होगी।

मार्केट में तत्काल टिकट बुकिंग के लिए बेचे जा रहे सॉफ्टवेयर इत्यादि पर नजर रखी जाएगी। इससे अपराधियों पर नकेल कसने में आसानी होगी और आम यात्री ठगे जाने से बचेगा।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव, गुपकार गठबंधन सबसे आगे

वैसे तो जम्मू-कश्मीर में होने वाला कोई भी चुनाव एक खास अहमियत हासिल कर लेता है, लेकिन हाल के जिला विकास परिषद (DDC) चुनावों पर विशेष रूप से सबकी नजरें लगी थीं। पिछले साल संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत हासिल विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद यह पहला मौका था जब इस राज्य के लोग अपने प्रतिनिधि चुनने के लिए वोट देने निकले थे। चुनाव नतीजों के आंकड़े देखें तो वे कुछ खास चौंकाने वाले नहीं दिखते। जम्मू संभाग में बीजेपी आगे रही और कश्मीर घाटी में गुपकार गठबंधन को बढ़त मिली। घाटी में तीन सीटें लेकर बीजेपी यह दावा करने की हालत में आ गई कि आखिर घाटी में भी वह कमल खिलाने में कामयाब रही। दूसरी ओर जम्मू क्षेत्र में 35 सीटें लेने वाला गुपकार गठबंधन भी यह कहने में नहीं हिचक रहा कि उसे घाटी तक सिमटा देने की साजिश नाकाम हो गई। बहरहाल, चुनाव नतीजों से जुड़े इन दावों और जवाबी दावों को सामान्य सियासी बोल-वचन मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए तो सच यही है कि जम्मू-कश्मीर में सभी प्रमुख दलों ने कमोबेश अपनी-अपनी जमीन बचाए रखी। लेकिन यह चुनावी लड़ाई सिर्फ राजनीतिक दलों की पारंपरिक जमीन को लेकर होने वाली खींचतान तक सीमित नहीं थी। इसके पीछे के बड़े लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए विचार किया जाए तो जिन्हें पिछले एक साल से अलगाववादी, राष्ट्रविरोधी वगैरह करार दिया जा रहा था, हर सार्वजनिक मंच से जिन्हें 'गुपकार गैंग' कहकर संबोधित किया जा रहा था, उनके कथित चंगुल से राज्य को मुक्त करने में मोदी सरकार को कुछ खास कामयाबी नहीं मिली।

बेशक, ये चुनाव शांतिपूर्ण रहे और इनका मतदान प्रतिशत भी कई चुनावों से बेहतर रहा। इसका यह मतलब जरूर है कि अलगाववादी और आतंकवादी तत्वों की लाख कोशिशों के बावजूद जम्मू-कश्मीर के लोगों का शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक उपायों में यकीन बना हुआ है। लेकिन क्या इसका यह अर्थ भी निकाला जा सकता है कि अनुच्छेद 370 के तहत हासिल विशेष दर्जा छीन लिए जाने से लोग खुश हैं? इस दूसरे निष्कर्ष तक पहुंचना जल्दबाजी ही समझा जाएगा। कारण यह है कि विशेष दर्जा खत्म किए जाने के बाद की यह पूरी अवधि जम्मू-कश्मीर में हर कीमत पर शांति बनाए रखने के प्रयासों को ही समर्पित रही है। केंद्र सरकार संसद में अपनी पहलकदमी के चाहे जो भी फायदे बताती रही हो, उन्हें जमीन पर उतारने लायक माहौल वहां नहीं बन सका। दूसरी बात यह कि जिन दलों और नेताओं ने एक स्वर में इस फैसले का विरोध किया था, वे आज भी अपनी राय पर कायम हैं और जनता द्वारा उन्हें नकारा भी नहीं गया है। ऐसे में इन चुनावों से निकला एक महत्वपूर्ण सबक यह भी है कि देश के किसी भी हिस्से में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़े राजनीतिक नेतृत्व के लिए एक न्यूनतम सम्मान जरूर सुनिश्चित किया जाना चाहिए। भारत जैसी वयस्क लोकतांत्रिक व्यवस्था अपनी इस जिम्मेदारी से कतरा नहीं सकती। इस सीमावर्ती राज्य में आगे का रास्ता केंद्र सरकार को ज्यादा एहतियात से तय करना चाहिए।

बहुरुपिया वायरस आशंका और उत्साह के बीच

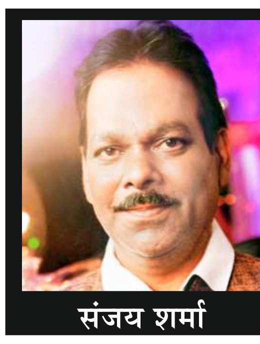

संजय शर्मा

अभी पिछले पखवाड़े ब्रिटेन ने टीकाकरण अभियान की शुरुआत कर कोरोना महामारी से जूझती दुनिया को उत्साह से भर दिया था, और अब उसी ब्रिटेन से ऐसी खबर आई जिसने पूरी दुनिया को फिर से सहमा दिया है। खबर यह कि वहां कोरोना वायरस ने अपनी संरचना में बदलाव करते हुए एक ऐसे नए रूप के दर्शन दिए हैं, जो ज्यादा तेजी से फैलता है और जिसे काबू में करने के लिए शायद कामयाब वैक्सीनों में भी कुछ बदलाव करने पड़ें। विशेषज्ञों के मुताबिक वायरस के इस नए रूप में पिछले वाले के मुकाबले करीब 20 बदलाव देखे गए हैं, जिनमें से कुछ इसकी संक्रमण क्षमता से भी जुड़े हैं।

इन बदलावों की वजह से यह नया वायरस पहले के मुकाबले 70 फीसदी ज्यादा तेजी से फैल रहा है। यही नहीं, वैज्ञानिकों के मुताबिक दो बदलाव वायरस के जेनेटिक कोड में भी देखे गए हैं। इससे इस आशंका को बल मिल रहा है कि कहीं इन बदलावों के जरिए यह विषाणु हाल ही में विकसित किए गए टीकों के प्रति रेजिस्टेंट न हो जाए। इन सबका मिला-जुला प्रभाव यह हुआ कि ब्रिटिश सरकार ने देश को एक बार फिर सख्त लॉकडाउन के हवाले कर दिया और तमाम देशों ने ब्रिटेन से आने वाली फ्लाइट्स पर रोक लगा दी। भारत में भी 31 दिसंबर तक के लिए ब्रिटेन से आने वाली फ्लाइट्स बैन हो गई हैं।

लेकिन सारी रोक छेंक के बावजूद ब्रिटेन से निकल कर कोरोना वायरस की यह नई किस्म यूरोप के कई देशों में ही नहीं, इसरायल और ऑस्ट्रेलिया तक फैल चुकी है और डर है कि इस बीच ब्रिटेन से आए यात्रियों के जरिए इसका प्रवेश भारत में भी न हो चुका हो। मायूसी की इस लहर ने दुनिया भर के शेयर बाजारों को अपने चपेट में ले लिया। निफ्टी और सेंसेक्स में भी सोमवार को क्रमशः 3.14 और 3 फीसदी की गिरावट आई। शेयर बाजार तो खैर मंगलवार को इस गिरावट से उबर गए, लेकिन लोगों में आई निराशा इतनी आसानी से नहीं जाने वाली, न ही इसके असर से यूं एक झटके में मुक्ति पाई जा सकेगी।

वैक्सीन आने पर जहां लोग कोविड महामारी को बीती हुई आपदा मानकर दिल को तसल्ली दे रहे थे, वहीं इसके रूप बदलने की खबर ने उन्हें खतरे की गंभीरता को लेकर दोबारा सोचने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि वैज्ञानिक अभी भी कह रहे हैं कि वायरस के इस बदले रूप की हकीकत को ठीक से समझने के लिए उन्हें थोड़ा और वक्त चाहिए। दूसरी बात यह कि तेजी से फैलने की बात पक्की हो तब भी इससे बचने के उपाय पहले जैसे ही रहने हैं। यानी अगर मास्क पहनने, हाथ धोते रहने और शारीरिक दूरी बनाए रखने जैसी सतर्कता कायम रखी जाए और जीवनचर्या दुरुस्त रखी जाए तो वायरस कोई नई करामात दिखाकर हमें अपना शिकार नहीं बना सकता। याद रखने की अकेली बात वही है कि वायरस से जंग लंबी है और इस दौरान हमें हताशा-निराशा के अलावा अति उत्साह से भी खुद को बचाए रखना चाहिए।

कांग्रेस-वाम मिलन से बदला मुकाबला

जिगर डी वाढेर

पश्चिम बंगाल की चुनावी राजनीति में हलचल फिर से तेज हो गई है। कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह वाम मोर्चा के साथ मिलकर अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा का चुनाव लड़ेगी। साल 2016 के विधानसभा चुनाव में भी ये दल साथ थे, लेकिन उस समय गठबंधन का औपचारिक एलान बिल्कुल आखिरी वक्त में, यानी फरवरी में किया गया था, जिसकी वजह से मतदाताओं तक इसका संदेश ठीक से नहीं जा सका था। मगर इस बार गठबंधन के कयास कुछ महीने पहले से सियासी फिजां में तैर रहे थे। स्थानीय स्तर पर राजनीतिक बैठकों में इस बाबत सुगबुगाहट तेज थी। हाल-फिलहाल के कई आंदोलनों में कांग्रेस और वाम मोर्चा साथ-साथ सड़कों पर दिखे भी थे।

सवाल यह है कि यह नया घटनाक्रम मतदाताओं को कितना प्रभावित कर सकता है? इस सवाल का ठीक-ठीक जवाब तो नहीं दिया जा सकता, लेकिन 2019 का लोकसभा चुनाव इसमें हमारी मदद जरूर कर सकता है। संसद के निचले सदन के लिए यहां से 42 सदस्यों का निर्वाचन होता है। वर्ष 2019 में इनमें से 22 सीटें तृणमूल कांग्रेस के खाते में आईं, जबकि 18 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की। वाम मोर्चा का सूपड़ा साफ हो गया था, जबकि कांग्रेस को महज दो सीटों से संतोष करना पड़ा था। 2014 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को 34, भाजपा व वाम को दो-दो और कांग्रेस को चार सीटें मिली थीं। पहली नजर में यह कहा जा सकता है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को अप्रत्याशित बढ़त मिली और उसे 16 सीटों का बड़ा फायदा हुआ। मगर याद रहे, तृणमूल कांग्रेस को 12 सीटों का नुकसान होने के बावजूद चार फीसदी अधिक वोट मिले थे। वोट प्रतिशत के लिहाज से सबसे ज्यादा नुकसान कांग्रेस (चार प्रतिशत) और वाम मोर्चा (22 प्रतिशत) को ही हुआ था। 2014 के लोकसभा चुनाव में इनमें कोई समझौता नहीं हुआ था, लेकिन तब दोनों ने संयुक्त रूप से 39.6 फीसदी वोट हासिल किए थे, जो 2019 में घटकर 13 प्रतिशत हो गए। इस लिहाज से 294 सीटों वाली विधानसभा में भाजपा 128 सीटों पर आगे नजर आ रही है, तो तृणमूल कांग्रेस 158 सीटों पर।

तो क्या कांग्रेस और वाम मोर्चा का गठबंधन बेअसर साबित होगा? यह सही है कि दोनों पारंपरिक रूप से एक-दूसरे के विरोधी रहे हैं, मगर 2016 की तुलना में इस बार यह गठबंधन कहीं ज्यादा मजबूत दिख रहा है। लोकसभा चुनाव में मतदाताओं का रुझान अलग होता है, विधानसभा चुनाव में अलग। फिर, गठबंधन को लेकर पिछली बार जैसी उलझन भी मतदाताओं में नहीं होगी। विचारधारा को लेकर बेशक इनमें मतभेद हो, लेकिन कांग्रेस और वाम मोर्चा, दोनों के उदारवादी धड़े काफी दिनों से साथ-साथ आने की वकालत कर रहे थे, और माहौल भी बना रहे थे। यही कारण है कि परस्पर विरोधी होने के बावजूद यह माना जा रहा है कि दोनों के वोट इस बार एक-दूसरे के खाते में जा सकते हैं। इस गठबंधन के साकार होने की एक वजह देश भर में भारतीय जनता पार्टी का बढ़ता विजय रथ है। भाजपा ने बंगाल में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। हर दिन कोई न कोई राष्ट्रीय नेता यहां पहुंच रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष तक यहां का दौरा कर चुके हैं। इन सबका असर मतदाताओं पर होने लगा है। नतीजतन, तृणमूल कांग्रेस के नेतागण भी पाला बदलकर भाजपा का दामन थामने लगे हैं। भाजपा को उम्मीद है कि सत्ता-विरोधी रुझान का उसे भरपूर फायदा मिलेगा। उसकी नजर यहां के 28 फीसदी मुसलमान वोटरों पर भी है, जो अभी तृणमूल के साथ हैं, जिसे पिछले चुनाव में 70 फीसदी मुस्लिम वोट मिले थे। भाजपा अपनी रणनीति में कामयाब दिख रही थी। मगर कांग्रेस-वाम मोर्चा नए गठबंधन से उसकी राह भी मुश्किल में जान पड़ती है। इस गठबंधन को पूर्व में मुसलमानों का वोट मिलता रहा है। फिर, सत्ता-विरोधी रुझानों का फायदा भी यदि भाजपा को मिलता, तो उसका कुछ हिस्सा इस गठबंधन के खाते में भी जाएगा। हालांकि, असदुद्दीन ओवैसी के बंगाल चुनाव में उतरने के कयास से तृणमूल के साथ-साथ इस गठबंधन की पेशानी पर भी बल होगा, क्योंकि एआईएमआईएम ने बिहार विधानसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन से राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है।

साफ है, पश्चिम बंगाल में अब मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। पहले तृणमूल कांग्रेस के बरअक्स मतदाता भाजपा में उम्मीद देख रहे थे। मगर इस नए गठबंधन ने यहां के राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं। तृणमूल और भाजपा की लड़ाई का फायदा इस गठबंधन को मिल सकता है। हालांकि, केरल में दोनों का एक-दूसरे से मुकाबला करना और यहां उनका गले मिलना, राजनीतिक विरोधियों को इन पर हमला करने का मौका देगा। मगर यह मुद्दा ज्यादा प्रभावशाली शायद ही साबित होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि केरल में उदारवादी पार्टियों में ही चुनावी जंग होती है, पर यहां उनके सामने एक मजबूत दक्षिणपंथी दल है, जिनका ज्यादा खौफ ये मतदाताओं को दिखाने का प्रयास करेंगे।

जहां तक तृणमूल कांग्रेस की बात है, तो उसकी राह अब और कठिन जान पड़ती है। 2016 के विधानसभा चुनाव और साल 2019 के लोकसभा चुनाव में उसके खिलाफ जनता में इस कदर रुझान नहीं था, जैसा इस बार दिखने को मिल रहा है। उस वक्त विपक्ष भी ताकतवर नहीं था। इसका साफ संकेत है कि इस बार मतदाता विकल्पहीन नहीं रहेंगे। जब चुनाव एकतरफा हो, तब सत्ता पक्ष को उसका फायदा मिलता है, लेकिन जब मुकाबला कई कोणों में बदल जाए, तो सबसे ज्यादा नुकसान भी सत्तारूढ़ दल को ही होता है। मगर इसमें जीत का सेहरा किसके सिर पर बंधेगा? इसके लिए तो अभी हमें कुछ दिनों का इंतजार करना चाहिए।

उनके चिंतन में हम सबका भारत

भूपेन्द्र पटेल

एक लंबा सार्वजनिक जीवन जीने के बावजूद उनको समझना इसलिए अधिक मुश्किल है, क्योंकि महात्मा गांधी या जवाहरलाल नेहरू के विपरीत, वह बमुश्किल डायरियां अथवा पत्र-पत्रिकाओं में लिखा करते थे। अपनी हालिया किताब वाजपेयी : द इयर्स दैट चेंज्ड इंडिया के लिए शोध करते समय मैंने उनके कई भाषण और कविताएं पढ़ीं, ताकि उनके नजरिए को गहराई से समझ सकूं। अपनी सोच को उन्होंने कभी विशेष रूप में जाहिर नहीं किया, लेकिन उनके शब्दों और कर्मों से वह साफ-साफ महसूस की जा सकती है। मुझे एक ऐसा लंबा निबंध मिला, जिसे वाजपेयी ने अपने दोस्त एनएम (अप्पा) घटाटे के लिए लिखा था। उन दिनों वह वाजपेयी के भाषणों की एक पुस्तक डिसिसिव डेज का संपादन कर रहे थे। मैं इसलिए भी खुद को भाग्यशाली मानता हूं, क्योंकि मुझे एक जीवनी का विस्तृत नोट भी मिला, जो वाजपेयी ने चंद्रिका प्रसाद शर्मा के लिए लिखा था। शर्मा भी उनके भाषणों की एक किताब का संपादन कर रहे थे। इन निबंधों को पढ़कर वाजपेयी की विश्व-दृष्टि के बारे में मेरी समझ और व्यापक बनी, विशेषकर इतिहास को लेकर उनकी अवधारणा और समकालीन परिस्थितियों पर उनकी राय को जानने-समझने के बाद। पांच प्रमुख सिद्धांत हैं, जिन्हें वाजपेयी की विश्व-दृष्टि माना जा सकता है। पहला, जैसा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े अधिकांश लोग मानते हैं, वाजपेयी भी इस बात से सहमत थे कि भारतीय समाज में विभाजन के कारण भारत विदेशी आक्रांताओं का आसान शिकार बना। उनका मानना था कि जाति-व्यवस्था ने भारतीय समाज को कई हिस्सों में बांट दिया है। इसमें हथियार रखने का अधिकार सिर्फ क्षत्रियों को दिया गया है, जबकि वेद और उपनिषद हर कोई नहीं पढ़ सकता। वह तंज कसा करते थे कि प्लासी के युद्ध में सिपाहियों से अधिक संख्या दर्शकों की थी, जो युद्ध का नतीजा तो जानना चाहते थे, लेकिन लड़ाई में भाग नहीं लेना चाहते थे। जब आरएसएस के पूर्व सरसंघचालक बाला साहब देवरस का निधन हुआ, तब वाजपेयी ने उन्हें याद करते हुए कहा- देवरस ने कहा था कि यदि अस्पृश्यता पाप नहीं है, तो कुछ भी पाप-कर्म नहीं है। इन अमानवीय भेदभावों को खत्म होना होगा। दूसरा सिद्धांत, वह हिंदू परंपराओं में दृढ़ विश्वास रखते थे, लेकिन धार्मिक और कर्मकांडी नजरिये से कहीं ज्यादा वह इन परंपराओं को सांस्कृतिक व दार्शनिक नजरिये से देखा करते थे। आरएसएस के अन्य लोगों की तरह वाजपेयी भी मानते थे कि 'धर्म' की अवधारणा भारत से जुड़ी हुई नहीं है। भारत में 'उपासना पद्धति', यानी इबादत के अलग-अलग तरीके हैं। इनमें से किसी का सच पर एकाधिकार नहीं है। इस दृष्टि का खास पक्ष यह है कि मातृभूमि के प्रति निष्ठा धार्मिक विश्वास से ऊपर है। इस तरह उन्होंने 'हिंदू' शब्द को परिभाषित किया है। इसका मतलब यह था कि इब्राहिम धर्म के अनुयायी को इस पदानुक्रम को स्वीकार करने में कठिनाई होगी, जो यह मानते हैं कि सत्य पर अकेले उनका एकाधिकार है। वाजपेयी का यह भी मानना था कि राष्ट्र को धार्मिक मान्यताओं के आधार पर अपने नागरिकों में भेदभाव नहीं करना चाहिए, बल्कि सभी मतों का बराबर सम्मान करना चाहिए, क्योंकि वे सभी समाज का हिस्सा हैं। वाजपेयी की विश्व-दृष्टि का तीसरा मजबूत स्तंभ धर्मांतरण के प्रति उनका स्वाभाविक चिंतन था। 1988 में पुणे में दिए गए अपने एक लंबे भाषण के दौरान, उन्होंने कहा था कि भले ही इंडोनेशिया व अफगानिस्तान इस्लामी राष्ट्र बन गए हैं, लेकिन उन्होंने पूर्व की अपनी विरासत नहीं छोड़ी है। वाजपेयी ने विशेष रूप से उल्लेख किया था कि रामायण इंडोनेशिया की जीवंत परंपराओं का हिस्सा है, इसलिए वह आश्चर्य जताते हैं कि धर्मांतरण का मतलब अपनी सांस्कृतिक व ऐतिहासिक विरासत को छोड़ना क्यों है? बिना कुछ विशेष कहे, कोई भी इसका अर्थ लगा सकता है कि देश के मुस्लिमों को विशेष रूप से भारतीय परंपराओं का पालन करना चाहिए। यह वही भावना है, जिसका इजहार जवाहरलाल नेहरू ने 24 जनवरी, 1948 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित करते हुए किया था। तब उन्होंने कहा था कि उन्हें भारत की विरासत पर गर्व है, और निश्चय ही अपने उन पूर्वजों पर भी, जिन्होंने हमें बौद्धिक और सांस्कृतिक रूप से श्रेष्ठ बनाया। यह कहकर उन्होंने छात्रों से पूछा था कि क्या वे भी यही महसूस करते हैं या फिर वे मानते हैं कि यह उनकी विरासत नहीं है? चौथे सिद्धांत का गहरा जुड़ाव भारत की मिट्टी से है। यहां की साहित्यिक परंपराओं ने वाजपेयी के मानसिक विकास में खुराक का काम किया था। तुलसीदास की रामचरितमानस, जयशंकर प्रसाद की कामायनी, निराला की राम की शक्ति पूजा और महादेवी वर्मा की कविताओं का उन पर गहरा असर था। प्रेमचंद के यथार्थवाद ने भी उन्हें खासा प्रभावित किया था। उन्हें जैनेंद्र (पत्नी और प्रेयसी), अज्ञेय (शेखर : एक जीवनी) व वृंदावन लाल वर्मा भी काफी पसंद थे। ये लेखक उन्हें अतीत की याद दिलाया करते थे, पर लगे हाथ उन्हें उन चुनौतियों के बारे में सोचने के लिए भी मजबूर किया करते थे, जिनसे पार पाना बहुत जरूरी था।

और आखिरी सिद्धांत, वाजपेयी को यकीन था कि भारत का महान बनना तय है, लेकिन महानता से इसे वंचित कर दिया गया है। अतीत हमारे लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन हमें उसका गुलाम नहीं बन जाना चाहिए। राजनीतिक रूप से, शीत युद्ध समाप्त हो चुका था और उभरती दुनिया भारत को दुश्मन मान रही थी। वाजपेयी संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ आगे बढ़ने में सक्षम थे, जबकि उन्होंने उसको चुनौती दी थी और परमाणु परीक्षण किया था। मगर वह चाहते थे कि भारत और अमेरिका साथ-साथ रहें, क्योंकि वह जानते थे कि चीन का उदय असंतोष बढ़ाएगा। वह चीन के साथ भी संबंध सुधारना चाहते थे, पर अंततः यही मानते थे कि भारत व अमेरिका स्वाभाविक मित्र हैं। जहां तक आर्थिक नजरिये की बात है, तो वह भारत की उद्यमशील सोच के हिमायती थे। वह लाइसेंस परमिट राज को नापसंद करते थे, जिसने भारत को काफी पीछे धकेल दिया था। जाहिर है, अटल बिहारी वाजपेयी एक जटिल राजनीतिक शख्सियत जरूर थे, लेकिन इसमें कतई संदेह नहीं है कि उनकी विश्व-दृष्टि ने आज के भारत को गढ़ने में काफी मदद की है।

पुलिस ने बताया- पहले दिन से रेडार पर थे टीआरपी घोटाले के आरोपी

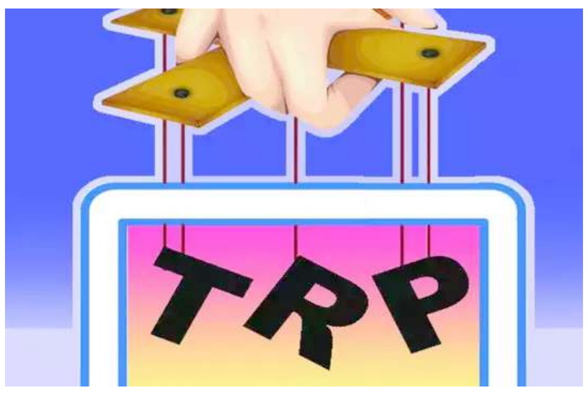

मुंबई, फर्जी टीआरपी केस में ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल के जिन पूर्व अधिकारियों को गिरफ्तार किया है, वह पुलिस के रेडार पर पहले दिन से थे। मुंबई क्राइम ब्रांच चीफ मिलिंद भारंबे के अनुसार उनके खिलाफ एविडेंस का इंतजार किया जा रहा था। सीईओ पार्थो दासगुप्ता को 28 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है।

मिलिंद ने बताया, 'हमें जैसे एविडेंस मिल गए, तो हमने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की कोर्ट में पेश रिमांड ऐप्लिकेशन में C I U द्वारा रिपब्लिक के मालिक/परिचालक को भी वॉन्टेड दिखाया गया है, क्या क्राइम ब्रांच को उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले हैं? इसके जवाब में भारंबे ने कहा, 'कानून से ऊपर कोई नहीं है। हम किसी को भी छोड़ने वाले नहीं हैं।'अब तक 15 गिरफ्तार

इस केस में अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और कई पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है। CIU इस केस में पहली चार्जशीट पिछले महीने दायर कर चुकी है। इसमें दो आरोपियों को अप्रूवर भी बनाया गया है। पूरक आरोपपत्र बाद में दायर किया जाएगा।

पुलिस ने समझाया हेरा-फेरी का खेल

मुंबई क्राइम ब्रांच के चीफ मिलिंद भारंबे ने उदाहरण देकर टीआरपी में हेरा-फेरी का खेल समझाया-

1. अगर किसी घर में रेटिंग मापने वाला मीटर लगा है और उसकी रीडिंग यह दिखा रही है कि घर में एक ही चैनल रोज आठ घंटे से ज्यादा देखा जा रहा है, तो ऐसे आंकड़ों को टीआरपी डेटा में शामिल नहीं किया जाता। लेकिन बार्क के पूर्व अफसरों ने उस डेटा को नहीं हटाया।

2. अगर टारगेट किया गया चैनल ज्यादा देखा गया, तो भी उसकी रीडिंग को दर्ज नहीं किया गया। मसलन किसी हफ्ते डेटा आया कि टाइम्स नाउ ऊपर जाएगा, तो गिरफ्तार आरोपी उस डेटा को टीआरपी मांपते वक्त फीड ही नहीं करते थे। वह उस डेटा को निकाल देते थे।

3. चैनल आडियंस कंट्रोल में वे बैरोमीटर में छेड़छाड़ करते थे। ऐसे में चैनल की टीआरपी नीचे हो गई।

मनसे कार्यकर्ताओं ने अमेजन गोदाम में की तोड़फोड़

मुंबई, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कथित कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार दोपहर में मुंबई के अंधेरी के मरोल में ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के एक गोदाम में तोड़-फोड़ की। यह जानकारी पुलिस ने दी। एक अधिकारी ने बताया कि घटना दोपहर करीब 1.45 बजे हुई। मनसे अमेजन के पोस्टरों पर मराठी भाषा नहीं होने के साथ ही उसके ऐप पर मराठी भाषा का विकल्प नहीं होने को लेकर कंपनी पर निशाना साध रही है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, 'हमले में एक एलईडी टीवी, कांच का सामान, लैपटॉप, प्रिंटर आदि क्षतिग्रस्त हो गए।' उन्होंने कहा कि साकीनाका पुलिस थाने में कम से आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

ई-कॉमर्स कंपनी ने इससे पहले शहर की डिंडोशी अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जिसके बाद मनसे प्रमुख राज ठाकरे को नोटिस जारी करके पांच जनवरी को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया था।

धारावी में 267 दिन बाद कोरोना का कोई नया मामला नहीं, लंबे समय तक रहा था हॉटस्पॉट

मुंबई, एशिया के सबसे बड़े स्लम धारावी में 267 दिन के बाद शुक्रवार को कोरोना का कोई नया केस नहीं मिला। यहां दिसंबर में लगातार सिंगल डिजिट में कोरोना के मरीज सामने आ रहे थे। कई दिन सिर्फ 1 मरीज मिला था। धारावी में 1 अप्रैल को पहला कोरोना केस सामने आया था। उसके बाद यह इलाका लंबे समय तक कोरोना का हॉटस्पॉट बना रहा। 3 मई को यहां एक दिन में सर्वाधिक 94 कोरोना के केस सामने आए थे। धारावी को कोरोना मुक्त करने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार और बीएमसी ने पूरी ताकत झोंक दी थी।

WHO ने की थी तारीफ

कोरोना पर काबू पाने के धारावी मॉडल की विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने तारीफ की थी। ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के मीडिया ने भी धारावी मॉडल की तारीफ की थी। फिलीपींस ने इस मॉडल का ब्लू प्रिंट मंगवाकर अपने यहां लागू किया था।

ऐसे दी कोरोना को मात

बीएमसी कमिश्नर आई.एस. चहल के नेतृत्व और अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी के मार्गदर्शन में असिस्टेंट कमिश्नर किरण दिघावकर ने 4 टी मंत्र अपनाया। इसके तहत ट्रेसिंग, टेस्टिंग, ट्रैकिंग और ट्रीटमेंट पर जोर दिया गया। आखिरकार उन्हें धारावी में कोरोना को मात देने में सफलता मिली।

10वीं-12वीं की पुन: परीक्षा का रिजल्ट घोषित

मुंबई, राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई पुनः परीक्षा में मुंबई से परीक्षा देने वाले दसवीं के विद्यार्थियों का रिजल्ट 15.4 प्रतिशत बढ़ा है। हालांकि बारहवीं की परीक्षा देने वाले और सफल होने वाले विद्यार्थियों के रिजल्ट में 2.7 प्रतिशत की गिरावट आई है।

राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा नवंबर-दिसंबर में ली गई दसवीं की पुनः परीक्षा में 41,397 विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिसमें से 13,495 विद्यार्थी पास हुए हैं। इस वर्ष कुल 32.60 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं, जबकि गत वर्ष यह आंकड़ा 22.86 प्रतिशत ही था। इसके साथ ही 69,274 विद्यार्थियों ने बारहवीं की पुनःपरीक्षा दी थी, जिसमें से 12,751 विद्यार्थी ही सफल हो पाए हैं। पिछले वर्ष 12वीं की पुन: परीक्षा में 23.17 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए थे, जबकि इस वर्ष मात्र 16.42 प्रतिशत।

परीक्षा में मिले अंकों से असंतुष्ट विद्यार्थी 24 दिसंबर से 2 जनवरी, 2021 तक पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

प्रत्येक विषय के लिए विद्यार्थियों को ऑनलाइन पैमेंट के माध्यम से 50 रुपये शुल्क के तौर पर जमा करने होंगे। अगर किसी विद्यार्थियों को उत्तरपुस्तिका की जेरॉक्स कॉपी चाहिए तो उसे ईमेल आईडी और पोस्ट के जरिए मिल जाएगी। जेरॉक्स कॉपी के लिए 24 दिसंबर से 12 जनवरी, 2021 तक विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए विद्यार्थियों से 400 रुपये शुल्क लिया जाएगा।

राजन शाह ने अपने ही सुर और धुन से सजाई पेंटिंग

प्रेम की अनुभूति अपने आप में बिरली, अद्वितीय और बेजोड़ है। किसी से प्यार करना या प्यार में होना दुनिया का सबसे खूबसूरत अहसास है। यहां हम उस लेखक और गायक की बात करेंगे जिन्होंने प्रेम के बारे में लिखा और गाया भी खूब है। विदेशी धरती पर बसे भारतीय गायक राजन शाह ने आज अपने सुरों की महक से दुनिया भर की संगीत बिरादरी को हैरान कर दिया है। इनके दर्जनों म्यूजिक सिंगल्स प्यार को समर्पित हैं। सुरों के ब्रश से इस बार राजन ने खूबसूरत पेंटिंग बनाई है। एक ऐसी तस्वीर जो ऐसा लगे कि बोल रही है। जिसको देखने भर से मन में उमंग-तरंग उठ जाए। उन्होंने सुरों के रंगों से दिल को छू लिया है। राजन का नया म्यूजिक सिंगल यू ट्यूब पर लॉन्च हो गया है। इस गाने को उन्होंने कम्पोज़ भी किया है और अपनी दिलकश आवाज भी दी है। गाने के बोल हैं...छुआ मुझे..छुआ मुझे। पूरे गाने को जिस तरह से शूट किया गया है वो बेहद आर्टिस्टिक है, बेहद खूबसूरत है। राजन शाह की आवाज़ पर नायिका का ब्रश पेटिंग बनाते हुए ऐसे फिसल रहा है, जैसे कमल के पत्ते पर ओस की बूंद फिसलती है। हाल ही में लॉन्च हुआ उनका पिछला म्यूजिक सिंगल 'तेरी खुशबू' भी श्रोताओं को काफी पसंद आया है। इसमें कोई दो राय नहीं कि राजन के संगीत से आज भारतीय संगीत जगत ही नहीं, यू एस भी महक रहा है। बता दें कि राजन शाह के प्रशंसक भारत ही नहीं, यू एस में भी हैं, जहां राजन रहते हैं। दिल्ली में उनकी जड़ें हैं लेकिन हालात ऐसे बने कि वह वाशिंगटन में जा बसे और वहीं रहकर भारतीय संगीत की महक को दुनिया भर में फैलाते रहे। दर्जनों गीतों में उन्होंने रोमांस को खूबसूरती से पिरोया है। राज संगीत प्रोडक्शन के तहत इन्होंने अब तक बैंजो, चांद का आईना, चारपाई, सलाम ए मोहब्बत, फिरोजी साड़ी, जब से तुम से रूबरू, आई लव यू लोंग टाइम, सही ना जाए, खोखली, छीटें, शोर मचावे रे, छुपी है तू कहां जैसे दर्जनों गीत न सिर्फ लिखे बल्कि खुद ही गाते हुए संगीत से भी सजाया।

एक्स-रे मशीन महीनों से खराब, बाहर से कराते हैं जांच

भिवंडी, राज्य सरकार द्वारा एक साल पहले भेजी गई एक एक्स-रे मशीन मनपा के स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के कारण आईजीएम अस्पताल के टीबी विभाग में खराब पड़ी धूल खा रही है। इस विभाग के अनुसार, एक्स-रे मशीन स्थापित करने के लिए कमरा नहीं है। इसके चलते इसे मालेगांव में स्थानांतरित किया जाएगा। फिलहाल एक गैर-सरकारी संगठन से आउटसोर्सिंग के माध्यम से एक्स-रे बाहर से कराए जा रहे हैं। इस को लेकर नागरिकों और स्वास्थ्य संगठनों ने नाराजगी व्यक्त की है और राज्य सरकार से इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। भिवंडी में प्रति एक लाख जनसंख्या पर टीबी रोगियों की संख्या औसतन 500 है। जबकि राज्य के अन्य जिलों और शहरों में यह दर काफी कम है। केंद्र सरकार ने 2025 तक देश को इस बीमारी से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। लेकिन मनपा टीबी को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। बताया जाता है कि मनपा का टीबी विभाग शहर में 100 रुपये से लेकर 150 रुपये तक होने वाले डिजिटल एक्स-रे के लिए एक एनजीओ को लगभग 300 रुपये प्रति एक्स-रे का भुगतान कर रहा है। विभाग की इस लापरवाही पर कई सवाल उठ रहे हैं। किसी के पास इस बात का जवाब नहीं है कि राज्य सरकार द्वारा भेजी गई एक्स-रे मशीन आखिरकार 2019 में स्थापित क्यों नहीं की गई। आउटसोर्सिंग के माध्यम से रोगियों के एक्स-रे क्यों कराए जा रहे हैं। टीबी विभाग की प्रमुख डॉ. बुशरा सैय्यद इस बारे में कहती हैं कि जगह न होने के कारण एक्स-रे मशीन स्थापित नहीं की जा सकी है। राज्य के टीबी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया जा चुका है और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मशीन को राज्य के मालेगांव में स्थानांतरित करने की योजना बना रहे हैं।

जब तक रावसाहेब दानवे को हराऊंगा नहीं तब तक अपनी टोपी नहीं उतारुंगा

धुले, महाराष्ट्र के ग्राम विकास मंत्री अब्दुल सत्तार ने केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता रावसाहेब दानवे को चुनौती दी है। सत्तार ने कहा है कि जब तक वे रावसाहेब दानवे को चुनाव में हरा नहीं देते तब तक अपने सर की टोपी नहीं उतारेंगे। सत्तार की इस ललकार के बाद मराठवाड़ा में राजनीतिक वातावरण गरमाने के आसार बन गए हैं। ग्राम पंचायत चुनाव को देखते हुए धुले में शिवसेना की एक सभा का आयोजन किया गया था। जिसमें सत्तार ने यह बयान दिया था। भाजपा द्वारा राम मंदिर को लेकर की जा रही राजनीति पर भी जमकर अब्दुल सत्तार बरसे। उन्होंने कहा कि भाजपा मुंह मे राम बगल में छूरी वाली राजनीति करती है।

नकल में भाजपा सबसे आगे

सत्तार ने कहा कि भाजपा नकल करने और झूठ बोलने में सबसे आगे रहती है। अगर हमने भी भाजपा की तरह ही आचरण शुरू किया तो भाजपा का नामों निशान मिट जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत के चुनाव सिर्फ चुनाव नहीं है बल्कि भारतीय जनता पार्टी को सबक सिखाने का एक मौका भी है। इसलिए अघाड़ी सरकार किसी भी कीमत पर यह मौका छोड़ने वाली नहीं है। इस चुनाव में ज्यादा से ज्यादा ग्राम पंचायत में शिवसेना का भगवा लहराना चाहिए।

तभी बीजेपी को शिवसेना की ताकत का अंदाजा लगेगा। इसके लिए हर संभव मदद भी की जाएगी। फडणवीस पर प्रहार

भाजपा के कई नेता और मंत्री अकेले में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की तारीफ करते हैं लेकिन जनता के सामने हुए उनके खिलाफ बोलते हुए नजर आते हैं। शिवसेना के साथ गद्दारी करने की वजह से ही आज बीजेपी सत्ता से बाहर है। पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस का नाम ना लेते हुए सत्तार ने कहा कि मैं दोबारा आऊंगा ऐसा बोलने वाले दोबारा आये ही नहीं लेकिन शिवसेना जरूर आएगी। इस मौके पर अब्दुल सत्तार ने सरकार द्वारा जनता के लिए किए गए कामों का जिक्र शिवसैनिकों के सामने किया और उनसे कहा कि वे ग्राम पंचायतों में सरकार के कामों का प्रचार प्रसार करें ताकि जनता उन्हें फिर से वोट दे सके।

नवी मुंबई, पनवेल की हवा में घुल रहा जहर!

नवी मुंबईखारघर, तलोजा और आस-पास मॉर्निंग वॉक करने वालों के लिए हवा का रुख ठीक नहीं है। इन परिसर में प्रदूषित हवा उनके स्वास्थ के लिए नुकसानदायक होने का दावा पर्यावरण जागरूकता पर काम करने वाली वातावरण संस्था ने किया है। संस्था ने महीनेभर पांच जगहों पर एयर मानिटरिंक करने के बाद एक रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खारघर सेक्टर-36, नावडा तलोजा रहिवासी इलाका सर्वाधिक प्रदूषित है। एक महीने की जांच में प्रदूषण 60 पीएम से 200 पीएम तक पहुंच गया है। वायु प्रदूषण तीन गुना बढ़ने की जानकारी रिपोर्ट में दी गई है। तलोजा एमआईडीसी की हवा में पार्टिकुलेट मैटर भारतीय मानकों से तकरीबन 80 फीसद ज्यादा है। इस कारण सेहत पर इसका असर पड़ सकता है। तय मानक के अधिक खराब हवा

तलोजा एमआईडीसी स्थित कंपनियों की जहरीली गैसों, निर्माण कार्यों, हाइवे से जाने वाले वाहनों की वजह से प्रदूषण काफी बढ़ गया है। भारतीय स्वास्थ्य मानक के अनुसार हवा में 60 माइक्रोग्राम प्रति क्युबिक मीटर तक पार्टिकुलेट मैटर सामान्य होते हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन सिर्फ 25 माइक्रोग्राम तक कहता है। वातावरण संस्था के संस्थापक भगवान केसभट का कहना है कि तलोजा एमआईडीसी में हवा की स्थिति 139.27 माइक्रोग्राम/क्यूबिक मीटर पर है, जो 80 फीसद से ज्यादा है।

मुंबई की सड़कों पर नए साल के मौके पर तैनात किए जाएंगे 35,000 पुलिसकर्मी

मुंबई, नए साल की पूर्व संध्या पर कानून व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मुंबई की सड़कों पर करीब 35,000 पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। महाराष्ट्र सरकार ने पहले ही कोविड-19 महामारी के मद्देनजर प्रतिबंध लगा दिए हैं और पांच जनवरी तक रात 11 बजे से सुबह छह बजे तक रात्रि कर्फ्यू लगा दिया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) विश्वास नांग्रे पाटिल ने कहा कि नए साल की पूर्व संध्या पर कड़ी निगरानी रखने के लिए मुंबई पुलिस के करीब 35,000 कर्मी सड़कों पर होंगे। अधिकारी ने कहा कि रात्रि कर्फ्यू को देखते हुए नए साल का जश्न रात 11 बजे से पहले आयोजित किया जा सकता है, लेकिन उसके बाद निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि होटल, रेस्तरां और अन्य प्रतिष्ठानों को 11 बजे अपने शटर बंद करने के लिए कहा गया है और मानकों का उल्लंघन करने वाले मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पाटिल ने कहा कि कर्फ्यू आदेशों के अनुसार पांच से अधिक लोगों का जमा होना मना है। उन्होंने कहा कि इन प्रतिबंधों के बावजूद लोग गेटवे ऑफ इंडिया, मरीन ड्राइव, गिरगौम चौपाटी, जुहू, गोराई और मड आईलैंड क्षेत्रों में शाम से चार से कम व्यक्तियों के छोटे समूहों में इकट्ठा हो सकते हैं, लेकिन पुलिस इन स्थानों पर भीड़ की अनुमति नहीं देगी। उन्होंने कहा कि इन स्थानों पर पर्याप्त पुलिस सुरक्षा रहेगी।

महाराष्ट्र के पालघर में इन किसानों से क्यों पीएम किसान सम्मान योजना के पैसे वापस मांग रही सरकार?

पालघर, मुंबई से सटे आदिवासी जिला पालघर के डीएम ने पीएम किसान सम्मान योजना के तहत दिए गए पैसों को किसानों से वापस करने का आदेश जारी किया है। इस योजना के तहत 2594 किसान खातों में जमा हुए तकरीबन दो करोड़ 30 लाख 86 हज़ार रुपये के फंड को वापस लौटाने के लिए कहा गया है।

जिलाधिकारी डॉ. माणिकराव गुरसल के आदेश के बाद इस पर अमल शुरू हो गया है। शासन के इस निर्देश के बाद 2594 किसानों में से 426 किसानों ने 40 लाख 62 हज़ार रुपये वापस भी कर दिए हैं।

अपात्र खातों में जमा हुए थे करोड़ों रुपये

इन पैसों को डीएम के आदेश के बाद वापस मांगने की कवायद शुरू हुई है। उन्हें कुछ महीनों पहले ही पीएम किसान सम्मान योजना के तहत इन किसानों के खातों में भेजा गया था। हालांकि बाद में प्रशासन को इस बात की भनक लगी कि कुछ अपात्र खातों में भी इन पैसों को भेज दिया गया है।

जांच में पता चला है कि 1131 अपात्र खातों में 92 लाख 34 हज़ार रुपये इसी प्रकार इनकम टैक्स भरने वाले 1463 किसानों के खातों में 1 करोड़ 38 लाख 52 हज़ार रुपये जमा हुए हैं। इन्हीं पैसों को अब वापस लिया जा रहा है। साथ ही जिला प्रशासन ने 5501किसानों की फिजिकल जांच करने का आदेश भी जारी किया है। जिसके बाद 2049 किसानों की फिजिकल जांच भी पूरी हुई है।

किसानों के खाते में डाले गए 18 हजार करोड़

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने शनिवार को 9 करोड़ से अधिक किसानों के खाते में 18 हजार करोड़ रुपये डाले। इस योजना के तहत सातवीं किस्त के रूप में ये रकम डाली गई।

किसान सम्मान निधि योजना के तहत साल भर में तीन बार 6 हज़ार रुपये किसानों को दिए जाते हैं। अब तक 6 किस्तें किसानों को दी जा चुकी हैं। 23 महीनों के भीतर सरकार किसानों के खाते में तकरीबन 95 करोड़ रुपये जमा कर चुकी है। सरकार ये पैसे तीन किश्तों में देती है। पहली किश्त 1 दिसंबर से 31 मार्च के बीच आती है। दूसरी किश्त 1 अप्रैल से 31 जुलाई के बीच आती है, जबकि तीसरी किश्त 1 अगस्त से 30 नवंबर के बीच आती है।

आयुर्वेद का पुराना नुस्खा है चंदन का तेल, इन 5 तरीकों से निखारता है खूबसूरती

सदियों से खूबसूरती को बनाए रखने के लिए चंदन का उपयोग हो रहा है। चंदन का पाउडर ही नहीं इसका तेल भी हमें खूबसूरत बनाता है। यहां जानिए चंदन से जुड़ी वो बातें जो आजतक आपने शायद सुनी भी ना हों। हम लोगों के लिए चंदन का मतलब सिर्फ लाल चंदन और सफेद चंदन होता है। लेकिन आपको जानकर आश्चर्य हो सकता है कि दुनियाभर में 12 तरह का चंदन पाया जाता है। आयुर्वेद में चंदन के तेल और पाउडर का उपयोग सदियों से होता रहा है। यह सेहत और सुंदरता दोनों के लिए बहुत फायदेमंद है।

इस तरह सुंदरता बढ़ाता है चंदन चंदन के पाउडर तेल और इसकी लकड़ी में ऐसे 125 कंपाउंड्स होते हैं, जो हमारी स्किन को खूबसूरत बनाने का काम करते हैं। ये हमारी स्किन के डैमेज सेल्स को रिपेयर करते हैं यानी त्वचा की कोशिकाओं को तंदरुस्त बनते हैं। यही वजह है कि चंदन का इस्तेमाल दुनिया के हर कोने में बननेवाले ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में किया जाता है।

चंदन की खूबी है यह

चंदन प्राकृतिक तौर पर ठंडक प्रदान करनेवाला प्रॉडक्ट है। यही वजह है कि इसका लेप त्वचा पर लगाने से ना केवल त्वचा की जलन शांत होती है बल्कि इसकी खूशबू से मानसिक शांति भी मिलती है। इसलिए अगर आप अपने चेहरे पर चंदन का लेप या तेल लगाते हैं तो आपको आयदिन होनेवाले सिरदर्द से राहत मिलेगी।

गुस्सा शांत करने में मददगार

जिन लोगों को गुस्सा अधिक आता है, उन्हें चंदन का टीका लगाने की सलाह दी जाती है। क्योंकि हमारी बॉडी में उपस्थित 7 चक्रों में से एक और बहुत पॉवरफुल चक्र हमारी दोनों आइब्रोज के बीच में स्थित होता है। यानी वह जगह जहां हम टीका लगाते हैं। इस चक्र को आज्ञाकारी चक्र कहते हैं। यहां चंदन लगाने से हमारे मन और ब्रेन पर इसकी शीतलता का सीधा फायदा पहुंचता है।

दूर करे आंखों की थकान

हम अक्सर अपने ब्यूटी संबंधित आर्टिकल्स में आपसे कहते हैं कि चेहरे का मुख्य आकर्षण आंखें होती हैं और दूसरा नंबर मुस्कान का आता है। अगर आंखें थकी हुई और बोझिल दिखेंगी तो चेहरे का पूरा आकर्षण खराब हो जाएगा। इसलिए आंखों के आस-पास की त्वचा को सुंदर बनाने के लिए आप चंदन पाउडर को शहद में मिलाकर लेप बनाएं और लगा लें।

ऐसे करता है काम आंखों पर काम

चंदन और शहद का लेप आंखों की नाजुक त्वचा को नमी और ठंडक देता है। शहद जहां स्किन को मॉइश्चराज करता है ताकि वहां ड्राईनेस की वजह से झुर्रियां ना पड़ें और स्किन लूज ना हो, वहीं चंदन पाउडर आंखों को ठंडक देते हुए डैमेज स्किन सेल्स को रिपेयर करने का काम करता है। साथ ही इसकी खूशबू नाक और ब्रेन की सेल्स को रिलैक्स करती है।

पिंपल्स और ऐक्ने हटाता है

चंदन पाउडर में ऐंटिबैक्टीरियल गुण होते हैं। ये स्किन पर किसी भी तरह के बैक्टीरिया को ऐक्टिव नहीं होने देते। पोर्स को क्लीन रखते हैं और स्किन का ऐक्सट्रा ऑइल सोखकर इसे ऑइल फ्री रखने में मदद करते हैं। इससे चेहरे पर ऐक्ने और पिंपल की समस्या नहीं होती है और आपकाा चेहरा खिला-खिला रहता है।

दादी मां के नुस्खों का हिस्सा

चंदन पाउडर और चंदन का तेल केवल आयुर्वेद या चाइनीज मेडिकल ट्रीटमेंट में ही नहीं यूज होता है बल्कि भारत में पीढ़ियों से चंदन का उपयोग सुंदरता और शीतलता के लिए किया जाता है। यही वजह है कि हमारे यहां भगवान का श्रृंगार भी चंदन के बिना अधूरा रहता है। वैसे क्या आपको पता है कि शिवजी को चंदन का टीका क्यों लगाया जाता है?

सोनल झालावाड़िया

आंखों के आस-पास की स्किन को हेल्दी रखने के ये हैं 2 अचूक तरीके

आंखों के आस-पास की स्किन बेहद नाजुक और सेंसेटिव होती है। धूप, पलूशन और थकान का असर हमारे शरीर पर सबसे पहले आंखों के आस-पास की इसी स्किन पर नजर आता है। सेंसेटिव होने के कारण आंखों की स्किन पर उम्र का असर भी सबसे पहले देखता है। अगर आप चाहते हैं कि आपकी आंखें हमेशा फ्रेश दिखें और उम्र या स्ट्रेसफुल लाइफ का असर इन पर हावी ना हो तो आप ये दो अचूक तरीके अपना सकते हैं...आलू का पैकआंखों की नाजुक स्किन पर आमतौर पर पैक लगान के लिए ब्यूटी एक्सपर्ट्स मना करते हैं। लेकिन बात जब खूबसूरती से जुड़े दादी मां के नुस्खों की आती है तो आंखों के लिए आलू के पैक का नाम सबसे पहले आता है। आलू में स्टार्च, पोटैशियम और विटमिन-सी काफी मात्रा में होता है। ये तीनों ही खूबियां हमारी आंखों की नाजुक स्किन को रिवाइव करती हैं। विटमिन-सी और पोटैशियम डैमेज स्किन सेल्स को रिपेयर करने में मदद करते हैं। साथ ही स्टार्च स्किन को कसावट देता है और डेड सेल्स को रीमूव करने में मदद करता है।

ऐसे लगाएं आलू का पैक

खास बात यह है कि आलू का पैक बनाने के लिए आपको आलू के सिवा कुछ और नहीं चाहिए। आप आलू को छील लें, उसे कद्दूकस में बारीक तरफ से कस लें और कसे हुए आलू को उठाकर उसे बॉल की तरह बना लें। अब इस बॉल से आंखों के आस-पास की त्वचा पर हल्के हाथों से मसाज करें। मात्र 10 मिनट की मसाज करें और फिर 10 मिनट के लिए इसके रस को आंखों के पास लगा छोड़ दें। इसके बाद ताजे पानी से धो लें और कोई भी अपनी रेग्युलर फेस क्रीम लगा लें।

इतने दिन में दिखेगा असर

आंखों डलनेस पर मात्र दो दिन में असर दिखेगा। वहीं अगर आपको डार्क सर्कल हैं तो 7 दिन में और झाइयां हैं तो 10 दिन के अंदर आप फर्क महसूस करेंगे। यह फर्क इतना अधिक होगा कि आपके फैमिली मेंबर्स और फ्रेंड्स भी नोटिस करेंगे और आपसे पूछेंगे कि आखिर आपने कैसे इतनी जल्दी अपनी स्किन को क्लीन बना लिया।

टी बैग्स का यूज

ग्रीन-टी या ब्लैक-टी पीने के बाद आप बचे हुए टी बैग्स को फेंके नहीं।

बल्कि इन्हें ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें। जब ये चिल्ड हो जाएं तो इन्हें फ्रिज से निकालकर किसी प्लेट में 5 मिनट के लिए रखा छोड़ दें। इससे इनकी ठंडक थोड़ी कम हो जाएगी और स्किन पर रखने लायक टैंप्रेचर में आ जाएंगे।

अब रखें आंखों पर

अब आप एक-एक टी बैग अपनी दोनों आंखों पर रखकर करीब 15 मिनट के लिए लिए लेट जाइए। ये टी-बैग्स आपकी आंखों को ठंडक पहुंचाकर तनाव दूर करने का काम करेंगे। साथ ही आंखों के डार्क सर्कल और फाइन लाइन्स को दूर करेंगे। ब्यूटी एक्सपर्ट्स के अनुसार, टी-बैग्स में मौजूद कैफीन आंखों के आस-पास की ब्लड वैसल्स को सिकोड़ने का काम करते हैं, जिससे यहां कि स्किन टाइट और

किरीट ए. चावड़ा

पतला होने में मदद करता है देसी घी और ऑलिव ऑइल में बना खाना

बहुत ज्ञान देते हैं लोग...बस एक बार कह दीजिए कि आप अपना वजन घटाना चाहते हैं...कसम से झड़ी लग जाएगी सलाह और टिप्स की। ये खाइए, वो मत खाइए। इतना खाना काहिए, इस-इस वक्त खाए, वगैरह... वगैरह... क्योंकि वजन घटाने की बात पर सबका फोकस केवल और केवल खाने पर होता है। कोई यह नहीं बताता कि खाना बनाने के लिए किस तेल का इस्तेमाल करें ताकि आपका वजन बढ़ने की संभावना बहुत कम हो जाए...

तेल का पड़ता है असर जिस तेल में हम खाना बनाते हैं, उसका भी हमारे वेट को बढ़ाने, घटाने या मेंटेन रखने में बड़ा रोल होता है। जैसे सोयाबीन का तेल, मूंगफली का तेल , तिल का तेल या अलग-अलग तरह के रिफाइंड और घी। इन सभी की अलग-अलग प्रॉपर्टीज होती हैं और हमारे शरीर पर इनके असर भी अलग-अलग होते हैं। लेकिन अगर आप ऐसा खाना पकाना चाहते हैं, जो आपकी भूख मिटाने के साथ ही आपका वेट घटाने में भी मदद करे तो आपको ऑलिव ऑइल का चुनाव करना चाहिए।

कैसे वजन घटाता है ऑलिव ऑइल?

आपने अब तक यह तो पढ़ा होगा कि ऑलिव ऑइल स्किन और बालों के लिए बहुत अच्छा रहता है। लेकिन हम आपको बता रहे हैं कि ऑलिव ऑइल वेट लॉस में भी मददगार है। दरअसल हेल्थ एक्सपर्ट्स और डायटीशियन्स का मानना है कि जब हम हाई सैचुरेटेड डायट छोड़कर मोनो अनसैचुरेटेड डायट लेने लगते हैं तो हमारा वजन कुछ हद तक कंट्रोल करने में मदद मिलती है। फिर भले ही आप इस दौरान अपनी खाने में कैलरीज की मात्रा पहले जितनी ही बनाए रखें। इसलिए एक्सपर्ट्स के अनुसार ऑलिव ऑइल और देसी घी कुकिंग के लिए सबसे बेहतरीन ऑप्शन्स हैं। देसी घी और ऑलिव ऑइल में हाई स्मोकिंग पॉइंट होता है। यानी वह स्तर पर जिस पर ये स्मोक जनरेट करते हैं इनकी यही खूबी इन्हें फूड फ्राइंग के लिए बेस्ट बनाती है। साथ ही कार्बर्स की जगह मोनो अनसैचुरेटेड फैट लेने का मतलब होता है कि आपके पेट को जल्दी भूख का अहसास नहीं होगा। क्योंकि कार्ब्स की तुलना में फैट को पचाने में अधिक वक्त लगता है। यानी आपको कैलरी तो पूरी मिलती रहेगी लेकिन आपका वेट कंट्रोल में बना रहेगा।

तो आज से तय कर लीजिए कि खुद को और अपने परिवार को हेल्दी रखने के लिए आप देसी घी और ऑलिव ऑइल में बना खाना ही खाएंगे। अमेरिकन हार्ट असोसिएशन के अनुसार, एक्स्ट्रा वर्जिन ऑलिव ऑइल अधिक आंच पर खाना पकाने के लिए बेस्ट ऑइल है। हालांकि अनेक रिसर्च में यह बात भी साबित हो चुकी है कि तिल का तेल, सरसों तेल और सन फ्लॉवर ऑइल तीनों ही कुकिंग के लिए बेस्ट ऑइल्स में शामिल हैं। क्योंकि हमारा शरीर इन ऑइल्स को आसानी से पचा पाता है।

सुबह उठते ही खाली पेट गुड़ खा कर पिएं गर्म पानी, दूर होंगे ये ६ रोग

सुबह उठते ही कई लोग अपने दिन की शुरुआत सीधे चाय के साथ करते हैं। खाली पेट चाय पीना शरीर के लिये नुकसनदायनक हो सकता है। मगर क्या आप जानते हैं कि बासी मुंह अगर चाय के बजाए गरम पानी और गुड का सेवन किया जाए तो यह कितना फायदा पहुंचाता है।

आयुर्वेद की मानें तो गुड़ और गरम पानी का कॉम्बीनेशन शरीर में शक्ति भरता है और लंबी बीमारी से राहत दिलाता है। गुड़ और गरम पानी का सेवन सुबह उठते ही बिना ब्रश किये करना चाहिये, तभी इसका असर दिखाई देगा।

यहां जानें इसके अनमोल फायदों के बारे में...

वजन कम करने में लाभकारी

गुड़ चीनी का एक उत्कृष्ट विकल्प है। यह पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन बी 1, बी 6 और विटामिन सी में समृद्ध है, जो अतिरिक्त कैलोरी जलाने में मदद करता है। आप इसका सुबह उठ कर या फिर रात को सोने से पहले गर्म पानी के साथ कर सकते हैं।

पेट से संबंधित समस्याएं

यदि आप पेट की समस्याओं जैसे गैस और कब्ज से पीड़ित हैं, तो गर्म पानी के साथ गुड़ के दो टुकड़े लें।

यह शरीर में पाचन प्रक्रिया को भी तेज करता है, जिससे व्यक्ति को प्रतिदिन सुबह मल त्यागने में आसानी होती है। यह शरीर में मौजूद पाचन एंजाइमों को बढ़ाकर भोजन के उचित पाचन में भी मदद करता है।

नींद न आए तो करें गुड का सेवन

सुबह उठते ही गर्म पानी के साथ गुड़ खाने पर शरीर में हैप्पी हार्मोन को बढ़ावा मिलता है। सदियों से, गुड़ अनिद्रा के इलाज के लिए एक बेहतरीन घरेलू उपचार रहा है।

स्किनकेयर होम रेमेडी के लिए बढ़िया

अगर आप मुंहासे और झाइयों से परेशान हैं तो खाली पेट गुड़ को गर्म पानी के साथ खाएं और जल्द फर्क देखें।

यह एक बेहतरीन क्लींजर है और त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है। यह उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने में भी मदद करता है।

गुर्दे की पथरी दूर करे

यदि गुर्दे की पथरी ने आपका जीवन बेहाल कर दिया है तो बस गुड़ के साथ गर्म पानी पीना शुरू कर दें। यह पत्थरों को तोड़ने में मदद करता है।

शरीर की इम्यूनिटी बढाए

गुड़ में ढेर सारा एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल होता है जो फ्री रैडिकल के डैमेज से बचा कर इंफेक्शन से लड़ता है। गुड़ खून में हीमोग्लोबिन की मात्रा को भी बढ़ाता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष राशि : नई प्रॉपर्टी खरीदने का योग मंगल की राशि मेष के जातकों को इस सप्ताह यात्राएं अधिक करना होंगी। बिजनेस, पारिवारिक या अन्य कारणों से आपको ट्रेवलिंग करना होगी। पारिवारिक जीवन के लिए यह सप्ताह अच्छा रहेगा। परिजनों से मतभेद समाप्त होंगे। आर्थिक लाभ मिलेगा।

वृषभ राशि : नकारात्मक लोगों से दूर रहें वृषभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह तनावों से मुक्ति दिलाने वाला रहेगा। माता-पिता की ओर से कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा। बुजुर्गों के स्वास्थ्य में भी सुधार आएगा। इस सप्ताह आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। धन आगमन से पुराना कर्ज चुकाने में सफल होंगे।

मिथुन राशि : प्रगाढ़ होंगे अंतरंग संबंध मिथुन राशि के जातकों को इस सप्ताह आर्थिक मामलों में अद्भुत तरीके से सफलता मिलने वाली है। आय के पर्याप्त साधन प्राप्त रहेंगे और अनेक जगहों से पैसा आने की संभावना है। नए कार्य भी शुरू करेंगे और उनसे भी धन अर्जित करेंगे। भूमि, भवन, संपत्ति, वाहन, मशीनरी खरीदना चाहते हैं तो समय उत्तम है।

कर्क राशि : शत्रु सक्रिय हैं, सावधान रहें अपने राशि स्वामी कर्क के जातकों का स्वभाव इस सप्ताह कूल रहेगा। कुछ पुरानी परेशानियों का अंत होगा, लेकिन कुछ नई चुनौतियां भी आएंगी, लेकिन आप धैर्य से उनका सामना करने में कामयाब होंगे। सेहत के लिहाज से भी सप्ताह ठीक कहा जा सकता। पुराने रोगों से छुटकारा मिलेगा।

सिंह राशि : वैवाहिक जीवन में सुख प्राप्त होगा सिंह राशि के लिए यह सप्ताह सुखपूर्वक व्यतीत होने वाला है। पिछले सप्ताहों में जो भी परेशानियां आईं उनसे इस सप्ताह राहत महसूस होगी। अटके कार्य पूरे हो जाएंगे और आप एक सुखद भविष्य की ओर अग्रसर होने वाले हैं। आर्थिक संपन्नता के लिहाज से सप्ताह बेहतर है।

कन्या राशि : आर्थिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी कन्या राशि के जातकों को इस सप्ताह कुछ ऐसी स्थितियां जीवन में आएंगी जो आपको आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रतिष्ठित करने का काम करेंगी। बिजनेस से जुड़े लोगों के सामने अनेक प्रकार के अवसर और चुनौतियां आएंगी जिनसे पार पाने के लिए मेहनत करने की जरूरत होगी।

तुला राशि : लंबे समय से अटके काम बन जाएंगे इस सप्ताह तुला राशि के जातकों के कुछ ऐसे काम बन जाएंगे जिनके लिए आप लंबे समय से परेशान हो रहे थे। जिनके पास अब तक कोई रोजगार नहीं है, उन्हें बेहतरीन अवसर मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्य में तरक्की प्राप्त होगी, लेकिन स्थानांतरण भी हो सकता है।

वृश्चिक राशि : अपने काम पर फोकस करें वृश्चिक राशि वालों के लिए सप्ताह की शुरुआत शानदार तरीके से होने वाली है। पिछले सप्ताह किए गए कार्यों का परिणाम इस सप्ताह मिलने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में लाभ, कॅरियर में ऊंचाई और कारोबार में उम्मीद के अनुसार परिणाम प्राप्त होंगे। हालांकि इस दौरान आपको काम पर फोकस रखना होगा। कोई मार्ग से कितना भी भटकाने का प्रयास करें, आप तटस्थ रहें।

धनु राशि : सफलतादायक है सप्ताह धनु राशि के जातक इस सप्ताह खुश हो जाएं, क्योंकि आपको अपने प्रत्येक कार्य में सफलता मिलने वाली है। पारिवारिक और सामाजिक स्थिति में पद-प्रतिष्ठा, सम्मान में वृद्धि होगी। आय के एक से अधिक स्रोत प्राप्त रहेंगे। नए कार्य-व्यवसाय शुरू करेंगे और उनसे भी धन अर्जित करेंगे।

मकर राशि : आ रहे हैं तरक्की के अवसर मकर राशि के जातकों के लिए सप्ताह में तरक्की के अनेक अवसर आने वाले हैं। आप खुद को एक मजबूत आर्थिक स्थिति में खड़ा पाएंगे। जो काम आपके अब तक ठीक से नहीं चल रहे थे, उनमें अचानक तेजी आएगी और आप राहत महसूस करेंगे।

कुंभ राशि : थकानभरा रहेगा सप्ताह कुंभ राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह बेहद थकानभरा और उबाऊ रहेगा। स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी आ सकता है। इसलिए हर किसी पर क्रोध आएगा और इससे आपके संबंध लोगों से बिगड़ेंगे। इस सप्ताह कोई मित्र आपको धोखा दे सकता है। स्वास्थ्य के लिहाज से सप्ताह कमजोर है।

मीन राशि : भागदौड़ वाला रहेगा सप्ताह मीन राशि के व्यक्तियों के लिए यह सप्ताह दौड़भाग वाला रहेगा। पारिवारिक क्षेत्र, कार्य क्षेत्र आदि में भागदौड़ करना पड़ेगी। इससे मानसिक तनाव तो होगा ही, आर्थिक परेशानी भी महसूस होगी। बनते हुए काम अटक सकते हैं।

चॉकलेट डे, टेडी डे, हग डे और प्रोमिस डे जितने दिन सेलिब्रेट करना है कर लो......याद रखना एक दिन कोई सरकारी नौकरी वाला केवल समोसा चटनी खिलाकर उसे उड़ा ले जाएगा।

पतिः जब मैं तुम पर चिल्लाता हूं तो तुम अपना गुस्सा कैसे निकालती हो?
पत्नीः टॉइलट साफ करके।
पतिः हाहाहाहा, बेवकूफ। वह कैसे?
पत्नीः टॉइलट आपके ब्रश से साफ करती हूं।

लड़काः तुम्हारा नाम क्या है?
लड़कीः तमन्ना।
लड़काः तुम्हारे पापा का नाम सरफरोशी है क्या?
लड़कीः क्यों?
लड़काः सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है।

आंदोलनकारी किसानों के सुर हुए नरम, सरकार के साथ 29 दिसंबर को बातचीत का दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली, तीन नए कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग पर अड़े आंदोलनकारी किसानों के सुर थोड़े नरम हुए हैं। किसान नेताओं ने बातचीत की सरकार की पेशकश को शनिवार को स्वीकार कर लिया है।

किसान नेताओं की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया गया। किसान नेताओं ने सरकार के साथ बातचीत के लिए 29 दिसंबर को सुबह 11 बजे का वक्त तय किया है। जगह दिल्ली का विज्ञान भवन होगा। इससे पहले सरकार ने किसानों से बातचीत की अपील करते हुए उन्हें अपनी पसंद के समय और जगह तय करने को कहा था।

निकलेगा हल? बातचीत को राजी हुए किसान

कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले एक महीने से दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर हजारों किसान आंदोलन कर रहे हैं। शनिवार को किसान नेताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वराज इंडिया के नेता योगेंद्र योदव ने बताया, 'हम केंद्र सरकार के साथ 29 दिसंबर को सुबह 11 बजे एक और दौर की बातचीत का प्रस्ताव रखते हैं।'

एमएसपी की गारंटी, नए कानूनों की वापसी को बताया बातचीत का नया अजेंडा

यादव ने बताया, 'बातचीत के हमारे अजेंडे में पहले दो बिंदु हैं- तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने का तरीका और दूसरा पॉइंट यह कि न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देने के लिए कानून लाना।' इससे पहले सरकार और किसानों के बीच हुई बातचीत नाकाम हो गई थी।

विद्युत संशोधन विधेयक 2020 में भी बदलाव की मांग

किसानों ने अपने प्रस्ताव में कहा है, 'बैठक का एजेंडा ये हो और इस क्रम में हो-

तीन कृषि कानूनों को रद्द करने के लिए अपनाई जाने वाली क्रियाविधि, सभी किसानों और कृषि वस्तुओं के लिए स्वामीनाथन कमीशन द्वारा सुझाए लाभदायक एमएसपी पर खरीद की कानूनी गांरटी देने की प्रक्रिया और प्रावधान।

राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आयोग अध्यादेश 2020 में ऐसे संशोधन जो अध्यादेश के दंड प्रावधानों से किसानों को बाहर करने के लिए जरूरी हैं, किसानों के हितों की रक्षा के लिए विद्युत संशोधन विधेयक 2020 के मसौदे में जरूरी बदलाव।'

30 दिसंबर को किसान निकालेंगे ट्रैक्टर मार्च

दूसरी तरफ क्रांतिकारी किसान यूनियन के नेता दर्शन पाल ने ऐलान किया कि 30 दिसंबर को यानी प्रस्तावित बातचीत के अगले ही दिन किसान ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा में टोल प्लाजा स्थायी तौर पर खुले रहेंगे। 30 दिसंबर को सिंघु बॉर्डर से किसान ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे। दर्शन सिंह ने कहा कि कृषि कानूनों के खिलाफ 30 दिसंबर को कुंडली-मानेसर-पलवल हाइवेज पर किसान ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे। उन्होंने दिल्ली और देश के अन्य हिस्से के लोगों को प्रदर्शनकारी किसानों के साथ नए साल को मनाने की अपील की है।

भारत में भी COVID-19 के नए स्ट्रेन ने दी दस्तक? केरल में कोरोना वायरस में दिखा बदलाव, मंत्री ने की पुष्टि

केरल के कोझिकोड में स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए एक रिसर्च में वायरस के स्ट्रेन में थोड़ा बदलाव दिखाई दिया है। केरल के स्वास्थ्य मंत्री केके सैलजा ने कहा कि निश्चित रूप से, हम केरल के सभी जिलों में इस रिसर्च का संचालन कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने कहा कि यह ब्रिटेन में पाए जाने स्ट्रेन की तरह नहीं है।

इंग्लैंड से केरल लौटे 8 लोग कोरोना पॉजिटिव, कोविड के नए स्ट्रेन की हो रही है जांच पिछले एक सप्ताह में यूनाइटेड किंगडम से केरल लौटे कम से कम आठ लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। उनके नमूने पुणे स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर वायरोलॉजी के लिए आगे के परीक्षण के लिए भेजे गए हैं ताकि यह पता चल सके कि वे नए स्ट्रेन से संक्रमित हैं या नहीं। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केके शैलजा ने यह जानकारी दी है।

मंत्री ने कहा कि कुछ यूरोपीय देशों में म्यूटेंट अलर्ट के मद्देनजर राज्य के सभी चार हवाई अड्डों पर सतर्कता बरती गई है।

उन्होंने कहा,

"हमने यहां भी वायरस में कुछ भिन्नता देखी है। लेकिन यह कहना जल्दबाजी होगी कि क्या यह ब्रिटेन के तनाव के समान था जिसने बढ़ती संक्रामकता दिखाई। विशेषज्ञ इस पर एक विस्तृत अध्ययन कर रहे हैं।" साथ ही उन्होंने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन लोगों को सतर्कता बरतनी चाहिए।

पिछले हफ्ते, ब्रिटेन के स्वास्थ्य विभाग ने कहा था कि उसके जीनोमिक विश्लेषण और महामारी विज्ञान के सबूतों से पता चला है कि SARS-Cov 2 का एक नया संस्करण, देश के कुछ हिस्सों में पाया गया था। मौजूदा संस्करण की तुलना में यह 70% अधिक खतरनाक था। हालांकि, लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन में सेंटर फॉर मैथमेटिकल मॉडलिंग ऑफ इंफेक्शियस डिजीज का एक अध्ययन यह आंकड़ा 56% रखता है। नए स्ट्रेन के सामने आने के बाद कई देशों ने देश पर यात्रा प्रतिबंध लगा दिए हैं।

सरकार से बातचीत को तैयार हुए किसान, 29 को मीटिंग का भेजा प्रस्ताव

नए कृषि कानून के खिलाफ आंदोलन पर बैठे किसानों ने सरकार से फिर से बातचीत शुरू करने का फैसला किया है। शनिवार को किसान नेताओं की बैठक के बाद भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष राकेश टिकैत ने कहा कि किसान नेताओं ने सरकार के साथ बातचीत फिर से शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सरकार से बातचीत के लिए 29 दिसंबर को सुबह 11 बजे बैठक का प्रस्ताव भेजा गया है। किसान नेताओं ने केंद्र सरकार को अपनी ओर से बैठक का एजेंडा भी भेजे हैं जिस पर वो बातचीत करना चाहते हैं।

राकेश टिकैत ने कहा कि तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने, MSP के लिए कानूनी गारंटी सरकार के साथ बातचीत का एजेंडा होना चाहिए। बता दें कि सरकार भी किसानों से कई बार अपील कर चुकी है कि वे आंदोलन का रास्ता छोड़े और बातचीत शुरू करें। बिच में किसानों से सरकार की ओर से भेजे गए प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा था कि वो आग से न खेले और आंदोलन को हल्के में न लें।

बैठक का एजेंडा:

1. तीन केंद्रीय कृषि कानूनों को रद्द/निरस्त करने के लिए अपनाए जाने वाली क्रियाविधि (Modalities)।
2. सभी किसानों और कृषि वस्तुओं के लिए राष्ट्रीय किसान आयोग द्वारा सुझाए लाभदायक MSP की कानूनी गारंटी देने की प्रक्रिया और प्रावधान।
3. "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए आयोग अध्यादेश, 2020" में ऐसे संशोधन जो अध्यादेश के दंड प्रावधानों से किसानों को बाहर करने के लिए ज़रूरी हैं।
4. किसानों के हितों की रक्षा के लिए 'विद्युत संशोधन विधेयक 2020' के मसौदे में ज़रूरी बदलाव।

बता दें कि कृषि सुधार कानूनों के विरोध में किसान संगठन की ओर से किए जा रहे आंदोलन का आज 31वां दिन है। किसान संगठन की ओर से राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर लगातार धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इस बीच सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है। संयुक्त किसान मोर्चा की आज बैठक हुई जिसमे सरकार की ओर से आए बातचीत के प्रस्ताव तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। आंदोलन कर रहे किसानों का साथ देने के लिए शनिवार को पंजाब से किसानों के कई जत्थे राशन और अन्य आवश्यक सामान अपने साथ लेकर दिल्ली की सीमाओं की ओर बढ़े। किसान यूनियन के नेताओं के अनुसार संगरूर, अमृतसर, तरनतारन, गुरदासपुर और बठिंडा जिलों समेत विभिन्न स्थानों से किसान सिंघू और टिकरी बॉर्डरों की ओर बढ़ रहे है। उन्होंने शनिवार को पंजाब के कई हिस्सों में कोहरे और शीत लहर की स्थिति के बावजूद यात्रा शुरू की। ट्रैक्टर ट्रॉली, कारों और अन्य वाहनों से बुजुर्गों और महिलाओं सहित किसान राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं की ओर बढ़ रहे है। इन वाहनों को अमृतसर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर देखा गया। ऐसा लगता था कि किसानों को लंबे समय तक रहने के लिए तैयार किया गया है क्योंकि उनकी ट्रॉलियों में उनका राशन और अन्य आवश्यक सामान भी था। भारतीय किसान यूनियन (एकता उग्राहन) ने दावा किया कि राष्ट्रीय राजधानी के निकट प्रदर्शनस्थलों की ओर खनौरी और डबवाली सीमाओं से हजारों किसान मार्च करेंगे। संगठन के महासचिव सुखदेव सिंह ने कहा कि जो नये जत्थे आ रहे हैं, उनमें कई महिलाएं भी शामिल हैं।

मंत्रिमंडल में फेरबदल के बाद अब शीतकालीन सत्र... क्या नेपाली संविधान को ठेंगा दिखा रहे पीएम ओली?

काठमांडू, नेपाली संसद को भंग कर फंसे प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के ऊपर अब संविधान के खिलाफ जाने का आरोप लग रहा है। दावा किया जा रहा है कि उन्होंने कार्यवाहक प्रधानमंत्री होते हुए संविधान के विपरीत अपने मंत्रिमंडल में बदलाव किया है। इतना ही नहीं, देश में जारी राजनीतिक उठापठक और सुप्रीम कोर्ट के कड़े आदेश का परवाह नहीं करते हुए उन्होंने एक जनवरी को संसद के उच्च सदन का शीतकालीन सत्र बुलाने की सिफारिश की है। संसद भंग करने पर सुप्रीम कोर्ट का कारण बताओ नोटिस नेपाली सुप्रीम कोर्ट ने भी शुक्रवार को संसद को अचानक भंग करने के को लेकर ओली को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने उनसे रविवार तक अचानक लिए गए निर्णय पर लिखित स्पष्टीकरण जमा करने को कहा है। दरअसल बिना संवैधानिक संकट के नेपाल के संविधान में संसद के निचले सदन को भंग करने का अधिकार ही नहीं है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी के कार्यालय को भी नोटिस जारी किया है।कार्यवाहक पीएम होते हुए कैबिनेट में किया बदलाव

सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद भी पीएम ओली नहीं रुके। उन्होंने संसद भंग करने के बाद कार्यवाहक प्रधानमंत्री होते हुए भी शुक्रवार शाम को अपने मंत्रिमंडल में फेरबदल की। जबकि, कार्यवाहक प्रधानमंत्री होने के कारण उन्हें नेपाली संविधान के अनुसार अपने मंत्रिमंडल को बदलने का अधिकार ही नहीं है। उन्होंने शुक्रवार को 8 नए मंत्रियों को अपनी कैबिनेट में शामिल किया। जिनमें से पांच तो उनके धुर विरोधी पुष्प कमल दहल प्रचंड के समर्थक बताए जा रहे हैं।

नेपाली संविधान विशेषज्ञ ने भी माना असंवैधानिक कृत्य

नेपाली मीडिया काठमांडू पोस्ट ने संविधान विशेषज्ञ और वरिष्ठ वकील चंद्रकांता ज्ञवाली के हवाले से लिखा कि ओली इस समय नए प्रधानमंत्री के चुनाव तक कार्यवाहक की भूमिका में हैं। ऐसे में उनके पास यह अधिकार ही नहीं है कि वे कैबिनेट में फेरबदल करें। ओली के मंत्रिमंडल में शामिल इन पांच मंत्रियों बहादुर रायमाझी, प्रभु साह, मणि थापा, गौरी शंकर चौधरी और दया लामा को प्रचंड खेमे का माना जाता है।

कोरोना का नया स्ट्रेन कितना खतरनाक, कहां से शुरू हुआ, वैक्सीन कारगर होगी या नहीं..., हर सवाल का जवाब यहां

ब्रिटेन में कोरोना वायरस के दो नए और बहुत ज्यादा संक्रामक स्ट्रेन मिलने के बाद से हड़कंप जैसी स्थिति है। तमाम देश फौरी तौर पर ब्रिटेन से आने वाली फ्लाइटों को सस्पेंड कर चुके हैं। नया स्ट्रेन सबसे पहले ब्रिटेन में कुछ दिन पहले ही मिले थे। आखिर क्या है ये नया स्ट्रेन, कितना खतरनाक है, अभी किन देशों में फैल रहा है, वैक्सीन इस पर असर करेगी या नहीं...आइए जानते हैं ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब।

कोरोना वायरस का यह नया स्ट्रेन क्या है?

कोरोना वायरस के इस नए वैरिएंट (B.1.1.7) के बारे में अभी वैज्ञानिकों को ज्यादा जानकारियां नहीं मिली हैं। इसके जीनोम संरचना पर अभी रिसर्च चल रहे हैं। वैज्ञानिक अभी यह पता लगाने में जुटे हैं कि इसमें हुए म्यूटेशन से वायर और ज्यादा खतरनाक हो रहा है या कमजोर और क्या नया स्ट्रेन जांच में सही से पकड़ा जा सकता है या नहीं।

कितना संक्रामक है कोरोना का नया स्ट्रेन?

नया स्ट्रेन बहुत ही संक्रामक है। इसने प्रभावित इलाकों में कोरोना के मामलों में 300 प्रतिशत का इजाफा किया है। यानी आम स्ट्रेन के मुकाबले यह तीन गुना ज्यादा संक्रामक है।

क्या RT-PCR टेस्ट से नए वैरिएंट का पता लगाया जा सकता है?

तमाम लैब्स को अपने उपकरणों को अपडेट करने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसके लिए जरूरी सुझाव भी जारी किए हैं।

कितना खतरनाक है कोरोना का नया स्ट्रेन?

कोरोना का नया स्ट्रेन कितना खतरनाक है, यह स्पष्ट नहीं है। खैर ज्यादा संक्रामक होने की वजह से खतरनाक तो है ही, क्योंकि यह लोगों के संक्रमित होने की आशंका बढ़ाता है। इस वैरिएंट में पिछले कुछ महीनों में ही 23 बार म्यूटेशन हुआ है जो हैरान करने वाला है।

किन स्थितियों में बना होगा नया स्ट्रेन?

वैज्ञानिकों के मुताबिक नया स्ट्रेन किसी गंभीर रूप से बीमार कोरोना मरीज में बना हो सकता है जिसे प्लाज्मा थेरपी के साथ-साथ रेमेडिसिविर दवा दी जा रही हो।

कहां से शुरू हुआ नया स्ट्रेन?

नया स्ट्रेन सबसे पहले किस जगह से निकला यह पता नहीं चल पाया है। हां, पहली बार यूके में इसके बारे में पता चला।

अभी नया स्ट्रेन कहां-कहां फैल रहा है?

नया स्ट्रेन ब्रिटेन के अलावा अभी तक नीदरलैंड्स, डेनमार्क, इटली और ऑस्ट्रेलिया में मिल चुका है।

क्या यह भारत में मौजूद है?

आधिकारिक तौर पर अभी कोरोना का नया स्ट्रेन भारत में महीं पाया गया है। हालांकि, यह भारत में घुस चुका होगा क्योंकि ब्रिटेन में यह सितंबर से ही फैल रहा था।

क्या यह कोरोना वायरस का इकलौता नया स्ट्रेन है?

नहीं। इससे भी ज्यादा तेजी से फैलने वाला एक नया वैरिएंट साउथ अफ्रिका में मिला है। ये दोनों स्ट्रेन एक दूसरे से अलग हैं।

कोरोना की बन रहीं वैक्सीन क्या नए स्ट्रेन के खिलाफ भी कारगर होंगी?

अभी यह साफ नहीं है। हालांकि, वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि अभी जिन वैक्सीनों को बनाया जा रहा है, वो नए स्ट्रेन के खिलाफ भी कारगर होंगी।

क्या हमें और वैक्सीन बनाने की जरूरत पड़ेगी?

वायरस जिस तरह से म्यूटेट हो रहा है, उसे देखते हुए नए वैरिएंट्स से लड़ने को और वैक्सीन बनाने की जरूरत है।

असम में इनकम टैक्स की रेड, पकड़ा गया 100 करोड़ रुपए का कालाधन

आयकर विभाग ने असम में तीन प्रमुख ठेकेदारों के यहां हफ्ते की शुरुआत में छापे मारकर करीब 100 करोड़ रुपये का कालाधन पकड़ा है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। बयान के मुताबिक आयकर विभाग ने असम के गुवाहाटी, सिलापाथर और पाठशाला एवं दिल्ली में 14 जगहों पर 22 दिसंबर को छापा मारने की अपनी कार्रवाई शुरू की।

इस दौरान 2.95 करोड़ रपए की नकदी जब्त की गई। छापा कार्रवाई के दौरान लगभग 100 करोड़ रुपए की अघोषित आय का पता चला। बयान में कहा गया है कि नकदी के अलावा 9.79 लाख रुपए के आभूषण भी जब्त किए गए हैं। जबकि दो करोड़ रुपए के अन्य गहनों की पुष्टि की जा रही है। ये छापे पूर्वोत्तर भारत के शीर्ष ठेकेदारों के यहां मारे गए। इनमें से एक इकाई आतिथ्य क्षेत्र में भी कारोबार करते हैं। सीबीडीटी, आयकर विभाग के लिए नीतियां बनाने वाली शीर्ष इकाई है। आरोप है कि इन इकाइयों ने कोलकाता की कुछ खोखा कंपनियों से प्रतिभूतियों पर प्रीमियम हासिल किया तथा अपने बही खातों में कर्जों की फर्जी प्रविष्टियां दिखाई।

पश्चिम बंगाल: TMC से बगावत के बाद BJP में शामिल सांसद सुनील मंडल की कार पर हमला, शाह तक पहुंचाई गई बात

पिछले हफ्ते ही तृणमूल कांग्रेस से भाजपा में आए सांसद सुनील मंडल को शनिवार को उस वक्त पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा जब वह यहां भाजपा के एक कार्यालय जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि घटना उस समय घटी जब मंडल हैस्टिंग्स में भाजपा के दफ्तर जा रहे थे।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और पश्चिम बंगाल के प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय ने इस घटना के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी जानकारी दी। पार्टी कार्यालय में भीड़ को संबोधित करते हुए विजयवर्गीय ने कहा, आज टीएमसी के कार्यकर्ताओं ने सुनील मंडल की कार पर हमला किया, जो कि एक सांसद हैं। मैंने इस बारे में केंद्रीय गृह मंत्री को बता दिया है।

वहीं, भाजपा सांसद अर्जुन सिंह ने आरोप लगाया कि एक कार्यक्रम में भाग ले रहे कुछ तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनकी कार रोकी।

वे उन्हें दफ्तर जाने से रोकने के लिए सड़क पर बैठ गए। उन्होंने मंडल की कार पर पत्थर भी चलाए।

उन्होंने कहा कि इसके बाद तृणमूल कार्यकर्ताओं और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली जिसके बाद मंडल को की कार वहां से निकल सकी। मंडल ने कहा, ''इससे तृणमूल का असली रंग सामने आ गया। वे किसी भी लोकतांत्रिक नियम को नहीं मानते।

जन प्रतिनिधि से क्या इस तरह का बर्ताव किया जाता है?"

शुभेंदु अधिकारी और तृणमूल के पांच विधायकों के साथ मंडल 19 दिसंबर को भाजपा में शामिल हुए थे।

तृणमूल ने इस घटना को दल-बदलुओं के खिलाफ लोगों का आक्रोश बताया। तृणमूल सांसद सौगत रॉय ने कहा, ''यह दल-बदलुओं के खिलाफ लोगों का आक्रोश था और विरोध प्रदर्शन अचानक शुरू हुआ।"

दिव्यांगता अध्ययन और पुनर्वास विज्ञान विश्वविद्यालय बनाने की तैयारी में सरकार

सरकार ने एक सुलभ वातावरण में दिव्यांगता अध्ययन और पुनर्वास विज्ञान के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए "अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है।

गत 24 दिसम्बर को जारी एक सार्वजनिक नोटिस में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत आने वाले दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए एक मसौदा विधेयक पर हितधारकों से प्रतिक्रियाएं मांगी हैं।

इस संबंध में विभाग ने कहा कि प्रस्तावित विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए एक मसौदा विधेयक यानी दिव्यांगता अध्ययन और पुनर्वास विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक, 2021 तैयार किया गया है।

विभाग ने कहा कि संसद के एक अलग अधिनियम के जरिए असम के कामरूप जिले में इस तरह का विश्वविद्यालय स्थापित करने का उसका इरादा है। उसने कहा, "प्रस्तावित विश्वविद्यालय, अपनी तरह का पहला, एक अद्वितीय बहु-विषयक शैक्षणिक संस्थान होगा, जिसमें स्नातक स्तर तक के अनुसंधान, कार्यक्रम और पाठ्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें एक सुलभ वातावरण में दिव्यांगता अध्ययन और पुनर्वास विज्ञान के सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा।

विभाग ने दिव्यांगता अध्ययन और पुनर्वास विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक, 2021 के मसौदे पर लोगों से तीन जनवरी, 2021 तक प्रतिक्रियाएं मांगी है।

भारत में छह महीने में पहली बार कोरोना वायरस से 300 से कम मौत

कोरोना वायरस के नए प्रकार के संक्रमण को लेकर मचे हड़कंप के बीच भारत के लिए राहत की खबर है। देश में छह महीने बाद कोविड-19 से हुई रोजाना मौतों की संख्या 300 से नीचे पहुंच गई है। देशभर में कोरोना वयारस संक्रमण से अभी तक 147343 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि संक्रमितों का आंकड़ा 10169118 पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को दिए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे की अवधि में संक्रमण से 251 और मरीजों की मौत हुई और 22273 नए मामले सामने आए। देशभर में इस बीमारी से ठीक होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 97,40,108 हो गई, जिससे स्वस्थ होने वालों की राष्ट्रीय दर बढ़कर 95.78 प्रतिशत तक पहुंच गई, जबकि कोविड-19 मामले में मृत्यु दर 1.45 प्रतिशत है। आंकड़े के अनुसार, देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या लगातार पांचवें दिन तीन लाख से नीचे रही। देश में अब 2,81,667 मरीजों का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 2.77 प्रतिशत है। भारत में कोविड-19 मामलों की संख्या सात अगस्त को 20 लाख के आंकड़े को पार कर गई थी, जबकि 23 अगस्त को 30 लाख, 5 सितंबर को 40 लाख और 16 सितंबर को 50 लाख के आंकड़े को पार कर गई थी।

खेल जगत

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी के कायल हुए रिकी पोंटिंग, कही यह बड़ी बात

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच का पहला दिन टीम इंडिया के गेंदबाजों के नाम रहा। जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन की शानदार गेंदबाजी के आगे कंगारू टीम के बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए और पूरी टीम महज 195 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। विराट कोहली की अनुपस्थिति में टीम की अगुवाई कर रहे अजिंक्य रहाणे ने अपनी बेहतरीन कप्तानी के लिए जमकर वाहवाही बटोरी। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भी रहाणे की कप्तानी की जमकर तारीफ की है। क्रिकेट.कॉम.एयू के साथ बातचीत करते हुए रिकी पोंटिंग ने कहा, 'रहाणे की कप्तानी अबतक बेहद शानदार रही है। कप्तानी के साथ, गेंदबाजी में बदलाव और फील्डिंग चेंज, आपको खिलाड़ी चाहिए होते हैं, जो इसको सही तरह से लागू कर सकें। उन्होंने आज जो कुछ विकेट हासिल किए, यहां तक स्मिथ जो लेग स्लिप में जल्दी आउट हुए, वह सब एक सेट प्लान था। जो बर्न्स वैसे ही आउट हुए जैसे की वह चाहते थे। कैम ग्रीन का विकेट भी आज पूरी तरह से तैयार करके लिया था, सिराज ने उनको कुछ बेहतरीन आउट स्विंगर्स डालीं और उसके बाद एक इन स्विंगर फेंकी, जिसमें वह आगे की तरफ फंस गए। मुझे लगता है कि इसमें काफी प्लानिंग की गई थी, जिसका क्रेडिट अजिंक्य रहाणे को मिलना चाहिए।' दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन जसप्रीत बुमराह और आर अश्विन ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर पूरी तरह से हावी रहे और किसी भी बल्लेबाज को सेट होने का मौका नहीं दिया। बुमराह ने जो बर्न्स को बिना खाता खोले पवेलियन भेजकर टीम को पहली सफलता दिलाई, इसके बाद अश्विन ने पहले मैथ्यू वेड और फिर स्टीव स्मिथ को जीरो पर आउट करके कंगारू टीम को बैकफुट पर ढकेल दिया। अश्विन ने तीन और बुमराह ने चार विकेट अपने नाम की। टेस्ट क्रिकेट में अपना डेब्यू कर रहे मोहम्मद सिराज ने भी दो विकेट झटके।

मुंबई की कमान संभालेंगे विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव, यहां पढ़िए पूरी टीम

मुंबई, विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी राष्ट्रीय टी-20 चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय मुंबई क्रिकेट टीम का नेतृत्व करेंगे।

मुंबई क्रिकेट संघ ने घरेलू सत्र शुरु करने वाले इस टूर्नामेंट के लिए शनिवार को अपनी वेबसाइट पर टीम की घोषणा की।

सूर्यकुमार यादव को बड़ी जिम्मेदारी

सूर्यकुमार यादव के अलावा टीम में आदित्य तारे, युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, सरफराज खान, सिद्धेश लाड और हरफनमौला शिवम दूबे जैसे नियमित खिलाड़ी भी है। धवल कुलकर्णी और तुषार देशपांडे तेज आक्रमण की अगुवाई करेंगे जबकि स्पिन गेंदाबाजी का दारोमदार अथर्व अंकोलेकर और शम्स मुलानी पर होगा।

पहले होगा कोरोना टेस्ट

एमसीए ने बताया कि सभी चयनित खिलाड़ियों को 29 दिसंबर को वानखेड़े स्टेडियम में पहुंचने समय कोविड-19 के लिए आरटी-पीसीआर परीक्षण में नेगेटिव होने की रिपोर्ट देनी होगी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से भारतीय घरेलू सत्र का आगाज होगा और घरेलू क्रिकेट की बड़ी टीम मुंबई अपने सभी मुकाबले इसी शहर में खेलेगी।

ये रही पूरी टीम

टीम: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), आदित्य तारे (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, आकर्षित गोमेल, सरफराज खान, सिद्धेश लाड, शिवम दूबे, शुभम रंजने, सुजीत नायक, साईराज पाटिल, तुषार देशपांडे, धवल कुलकर्णी, मिनाद मांजरेकर, प्रथमेश दाके, अथर्व अंकोलेकर, शशांक अत्तारदे, शम्स मुलानी, हार्दिक तामोर, आकाश पारकर और सूफियान शेख।

टिम पेन ने डाइव लगाते हुए एक हाथ से पकड़ा चेतेश्वर पुजारा का जबर्दस्त कैच

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन की शुरुआत ऑस्ट्रेलेयिा के लिए शानदार रही है। तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने अबतक शुभमन गिल और चेतेश्वर पुजारा के रूप में भारत को दो बड़े झटके दे दिए हैं। पुजारा काफी देर क्रीज पर समय बिताने के बावजूद एकबार फिर लंबी पारी खेलने में नाकाम रहे। पैट कमिंस की गेंद पर विकेटों के पीछे टिम पेन ने डाइव लगाते हुए एक हाथ से पुजारा का कैच पकड़ा। पुजारा ने अपनी पारी में 70 गेंद खेलने के बाद महज 17 रन बनाए और पैट कमिंस की गेंद का दूसरा शिकार बने। पुजारा कमिंस की अंदर आती गेंद को समझने में नाकाम रहे और गेंद उनके बल्ले के अंदरूनी किनारा लेते हुए विकेटों के पीछे चली गई, जहां टिम पेन ने हवा में डाइव लगाते हुए एक हाथ से पुजारा का शानदार कैच लपका।

सस्ते में आउट हुए चेतेश्वर पुजारा, ट्विटर पर फैन्स ने किया जमकर ट्रोल

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में खेला जा रहा है। बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के लिहाज से अबतक शानदार रही है और टीम ने लंच के समय तक भारत के तीन विकेट चटका लिए हैं। शुभमन गिल (45) और चेतेश्वर पुजारा (17) को पैट कमिंस ने चलता किया। पुजारा क्रीज पर काफी समय बिताने के बावजूद सस्ते में आउट होकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद ट्विटर पर फैन्स उनको जमकर ट्रोल कर रहे हैं। पुजारा ने अपनी 17 रनों की पारी में 70 गेंदों का सामना किया और पैट कमिंस की गेंद पर टिम पेन को कैच देकर पवेलियन लौटे। विकेटों के पीछे पेन ने पुजारा का एक हाथ से जबर्दस्त कैच पकड़ा। पुजारा जल्दी आउट होने के बाद ट्विटर पर फैन्स के निशाने पर आ गए हैं और लोग पुजारा को उनकी स्लो बैटिंग के लिए जमकर ट्रोल कर रहे हैं। गौरतलब है कि एडिलेड टेस्ट में भी पुजारा ने 160 गेंदों का सामना करने के बाद महज 43 रन बनाए थे, जिसके बाद उनकी काफी आलोचना हुई थी।

इससे पहले, अपने टेस्ट डेब्यू कर रहे शुभमन गिल काफी लय में नजर आ रहे थे, लेकिन वह अपनी शानदार शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील करने में नाकाम रहे। बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच के पहले दिन भारतीय गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के चलते ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में महज 195 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने चार और रविचंद्रन अश्विन ने तीन विकेट चटकाए थे। एडिलेड टेस्ट मैच को जीतकर चार मैचों की सीरीज में कंगारू टीम 1-0 से आगे है।

देश परदेश

यूके के बाद कनाडा के ओंटारियो में मिले कोरोना के वैरिएंट के 2 केस, मरीजों की नहीं है कोई ट्रैवल हिस्ट्री

के दक्षिणी इलाके में कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन का पता लगा था जो कि 70 प्रतिशत अधिक तेजी से फैल सकता है। इस वेरिएंट का पता लगने के बाद भारत सहित कई देशों ने ब्रिटेन से आने वाली सभी उड़ाने रद्द कर दी थीं।

ब्रिटेन के हेल्थ सेक्रटरी मैट हैनकॉक ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा, 'दक्षिण अफ्रीका की जीनोमिक सिक्वेंसिंग क्षमता का शुक्र है कि हमें यहां यूके में इस नए वेरिएंट से जुड़े दो मामलों का पता लग सका। ये दोनों ही मामले उनके संपर्क में थे जो बीते हफ्तों में दक्षिण अफ्रीका का सफर कर लौटे थे।'

हैन्कॉक ने बताया, 'इस वेरिएंट का देश पहुंचना चिंता का विषय है क्योंकि यह पिछले हफ्ते यूके में मिले कोरोना वायरस के दूसरे वेरिएंट से भी अधिक तेजी से फैल सकता है। नए वेरिएंट से संक्रमित लोगों के निकटतम संपर्कों और बीते 15 दिनों में दक्षिण अफ्रीका से आने वाले लोग या जो इनके संपर्क में रहे हों, सभी को क्वारंटीन किया जाएगा।'

कनाडा के ओंटारियो में स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि यूनाइटेड किंगडम में पहली बार पता लगाए गए कोरोना वायरस के नए वैरिएंड के दो मामले ओंटारियो प्रांत में सामने आए हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये वैरिएंट 40% -70% अधिक तेजी से फैलता है। ऑस्ट्रेलिया, इटली और नीदरलैंड सहित कई अन्य देशों का कहना है कि उनके यहां भी नए वैरिएंट का पता लगा है।

कनाडाई मामले में दक्षिणी ओंटारियो में एक जोड़े में ये वैरिएंट पाया गया जिनकी न कोई ट्रैवल हिस्ट्री थी और न ही उच्च जोखिम वाले संपर्क क्योंकि यह प्रांत शनिवार को लॉकडाउन हो गया था। ओंटारियो के एसोसिएट चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. बारबरा याफ ने एक बयान में कहा, "इससे ओंटेरियन्स को अधिक से अधिक घर पर रहने और आज से शुरू होने वाले लॉकडाउन सहित सभी सार्वजनिक स्वास्थ्य सलाह का पालन जारी रखने की आवश्यकता पर बल मिलता है।"

बीते हफ्ते कोरोना वायरस के दूसरे वेरिएंट मिलने से यूनाइटेड किंगडम (यूके) में जारी हड़कंप के बीच अब यहां वायरस का तीसरा वेरिएंट मिला है। यह वायरस दक्षिण अफ्रीका से आए लोगों के संपर्क में आने वालों में पाया गया है। ब्रिटिश हेल्थ सेक्रटरी मैट हैनकॉक ने बुधवार को इसकी जानकारी दी और बताया कि दक्षिण अफ्रीका से आने वालों पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जा रहा है।

बीते हफ्ते दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य विभाग ने कहा था कि उनके यहां वायरस का नया रूप मिला है जो संभवतः हाल ही में कोरोना के मामलों में तेजी आने की वजह है। बीते हफ्ते ही इंग्लैंड

डब्लूएचओ प्रमुख बोले- कोरोना कोई आखिरी महामारी नहीं है जो सारा पैसा इस पर उड़ा दिया जा रहा

दुनियाभर में कोरोना का उत्पात जारी है। अभी तक लोग सटीक तरह से काम करने वाली वैक्सीन का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच विश्व स्वास्थ संगठन (डब्लूएचओ) के प्रमुख ने कहा कि कोरोना वायरस संकट अंतिम महामारी नहीं होगी, और मानव स्वास्थ्य में सुधार के प्रयास, जलवायु परिवर्तन और पशु कल्याण से निपटने की कोशिश के बिना बेकार हैं।

Tedros Adhanom Ghebreyesus ने आगे के बारे में सोचे बिना इन महामारी पर अथाह पैसा खर्च कर देने की भी निंदा की। रविवार को महामारी की तैयारी के पहले अंतर्राष्ट्रीय दिवस को चिह्नित करते हुए उन्होंने एक वीडियो मेसेज जारी किया। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक ने कहा कि यह कोविड -19 महामारी से सबक सीखने का समय था। उन्होंने कहा- बहुत लंबे समय के लिए, दुनिया ने महामारी के आतंक के एक चक्र पर काम किया है।

"हम एक महामारी पर पैसा खर्च कर देते हैं,

और जब यह खत्म हो जाता है, तो हम इसके बारे में भूल जाते हैं और अगले को रोकने के लिए कुछ भी नहीं करते। यह खतरनाक रूप से अदूरदर्शी और समझने में मुश्किल है। " वैश्विक तैयारी निगरानी बोर्ड की सितंबर 2019 में स्वास्थ्य आपात स्थिति के लिए दुनिया की तत्परता पर पहली वार्षिक रिपोर्ट - नोवेल कोरोना वायरस की शुरुआत से कुछ महीने पहले प्रकाशित हुई। इसमें कहा गया कि दुनिया इस विनाशकारी महामारी के लिए तैयार नहीं थी।

टेड्रोस ने कहा- इतिहास बताता है कि यह कोई आखिरी महामारी नहीं होगी, और महामारी जीवन का एक सच है। उन्होंने कहा महामारी ने मनुष्यों, जानवरों और ग्रह के स्वास्थ्य के बीच अंतरंग संबंधों को उजागर किया है। एएफपी द्वारा संकलित आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पिछले दिसंबर में चीन में फैलने के बाद से नोवल कोरोना वायरस से कम से कम 1.75 मिलियन लोग मारे गए हैं और लगभग 80 मिलियन मामले सामने आए हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 12 महीनों में, हमारी दुनिया उलटी हो गई है। महामारी के प्रभाव समाजों और अर्थव्यवस्थाओं के लिए दूरगामी परिणामों के साथ ही बीमारी से भी आगे निकल जाते हैं।

हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अधिकारी क्टर मारगारेट हैरिस ने कहा था कि केवल टीके से कोरोना के प्रसार को नहीं रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय से ही इसको रोका जा सकता है। टीके कोरोना को रोकने में मददगार हो सकता है। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपने संदेश में लोगों से छुट्टियों के दौरान विशेष सावधानी बरतने और गले मिलने से परहेज करने के लिए कहा है। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आपात मामलों के प्रमुख डॉ. माइकल रेयान ने कहा कि खासकर अमेरिका में कोविड-19 के मामलों और संक्रमण से होने वाली मौत के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। इसका यही मतलब है कि लोगों को इस साल अपने प्रियजनों के ज्यादा करीब आने से बचना चाहिए।

BRI पर बड़े-बड़े सपने दिखा पाकिस्तान को चीन का धोखा, अरबों डॉलर के परियोजनाओं से हट रहा पीछे

चीन पाकिस्तान को एक बड़ा झटका देने की तैयारी में है। एशिया टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में लगातार सामने आ रहे घोटालों, बढ़ रहे ऋण और सुरक्षा के कारण से बढ़ रही लागत की वजह से ड्रैगन ने अरबों की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) की अपनी प्रतिबद्धता से पीछे हट रहा है। चीन ने बहुत तेजी से अपने खर्चों में कटौती की है। CPEC के कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट अब या तो ठप हो गए हैं या तय समय से पीछे चल रहे हैं।

एशिया टाइम्स के अनुसार, CPEC के तहत 122 परियोजनाओं में से केवल 32 इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही तक पूरी हुई हैं। न केवल पाकिस्तान, अन्य देशों के लिए भी चीन के BRI उधार में पिछले कुछ वर्षों में काफी गिरावट देखी गई है। बोस्टन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य समर्थित चीन डेवलपमेंट बैंक और एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट बैंक ऑफ चाइना द्वारा 2016 में कुल ऋण 75 अरब डॉलर से घटकर पिछले साल केवल 4 बिलियन डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 के अनुमानों से पता चलता है कि यह राशि आगे बढ़कर 3 बिलियन डॉलर हो गई है।

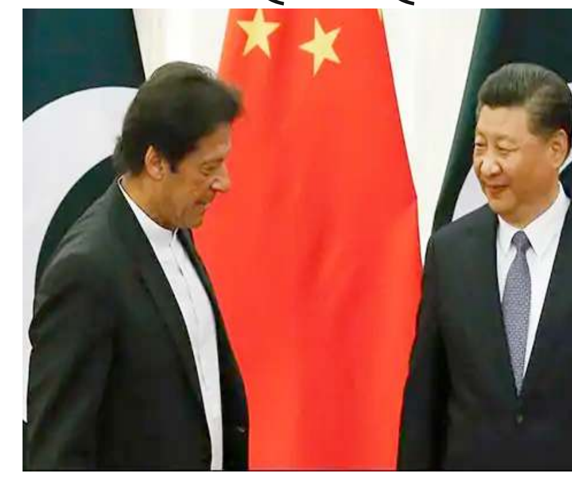

'जग्गा जासूस' से निकाले गए थे गोविंदा, अनुराग बसु ने बताया कारण

हाल में अनुराग बसु की फिल्म 'लूडो' रिलीज हुई थी। इस फिल्म को ऑडियंस और क्रिटिक्स की काफी सराहना मिली थी। इससे पहले अनुराग की फिल्म 'जग्गा जासूस' रिलीज हुई थी। रणबीर कपूर और कटरीना कैफ की यह म्यूजिकल फिल्म बिल्कुल अलग तरह की थी जिसे ऑडियंस ने कुछ खास पसंद नहीं किया था। इस फिल्म को लंबे समय में अनुराग ने बनाया था। फिल्म में गोविंदा को भी कास्ट किया गया था लेकिन उन्हें बीच फिल्म से निकाल दिया गया था। अब अनुराग बसु ने बताया है कि आखिर उन्होंने गोविंदा को क्यों निकाला गया था।

अनुराग बोले- बहुत कन्फ्यूजन हो गया था

इस बारे में बात करते हुए अनुराग ने एक न्यूज पोर्टल को बताया कि 'जग्गा जासूस' की शूटिंग काफी दिनों से टल रही थी और उसके बाद यह भी कन्फ्यूजन था कि गोविंदा शूटिंग के लिए आ रहे हैं या नहीं, वह फ्लाइट ले रहे हैं या कैंसल कर रहे हैं या शूटिंग ही कैंसल कर दी जाए। अनुराग बसु ने कहा कि उस समय कुछ समझ में नहीं आ रहा था और वह इतना स्ट्रेस नहीं ले सकते थे। उस समय साउथ अफ्रीका में शूटिंग चल रही थी और सब कुछ प्लान किया हुआ था और इसी वजह से गोविंदा से किनारा कर लिया गया।

गोविंदा ने जताई थी नाराजगी

इसके बाद साल 2017 में गोविंदा ने कई ट्वीट्स के जरिए इस बात पर नाराजगी जताई थी कि उन्हें फिल्म से निकाल दिया गया। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा था, 'मैंने एक ऐक्टर के तौर पर अपना काम किया, अगर डायरेक्टर इससे खुश नहीं थे तो यह उनका फैसला था। इस बारे में कई निगेटिव स्टोरी और आर्टिकल केवल गोविंदा के बारे में लिखे जा रहे हैं कि आखिर फिल्म को बनने में 3 साल क्यों लगे। मेरी तबीयत ठीक नहीं थी और बोतलें चढ़ाई जा रही थीं फिर भी मैं साउथ अफ्रीका तक गया और अपनी शूटिंग पूरी की।

मुझसे कहा गया कि फिल्म की कहानी मुझे साउथ अफ्रीका में सुनाई जाएगी जबकि मैंने अपना साइनिंग अमाउंट भी नहीं लिया था, न ही कोई कॉन्ट्रैक्ट किया था। मैंने कपूर फैमिली को पूरा सम्मान दिया। मैंने फिल्म केवल इसलिए की थी क्योंकि वह (रणबीर कपूर) मेरे सीनियर का बेटा है। मुझसे कहा गया था कि मुझे स्क्रिप्ट दी जाएगी।'

रणबीर ने मांगी थी गोविंदा से माफी

रणबीर ने इस फिल्म को प्रड्यूस भी किया था। उन्होंने उस समय एक इंटरव्यू में कहा था कि यह उनकी और अनुराग बसु की गलती थी। रणबीर ने कहा था कि उन्होंने बिना तैयारी के अधूरी स्क्रिप्ट के साथ फिल्म शुरू कर दी थी।

इसके बाद कैरेक्टर पूरी तरह बदल गए और फिल्म को तैयार होने में इतना समय लग गया। रणबीर ने तब यह भी माना था कि गोविंदा जैसे बड़े कलाकार को साइन करना और उनके किरदार के साथ न्याय न करना भी बहुत बड़ी गलती थी। इसके लिए रणबीर ने गोविंदा से माफी भी मांगी थी।

डेटिंग की खबरों के बीच कैटरीना कैफ के घर पहुंचे विक्की कौशल, साथ में सेलिब्रेट किया क्रिसमस

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल, कैटरीना कैफ के साथ रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। क्रिसमस के मौके पर कैटरीना कैफ ने अपने घर पर एक पार्टी रखी, जिसमें विक्की कौशल भी शामिल हुए। इसके अलावा इस पार्टी में करण जौहर, अनन्या पांडे, सिद्धार्थ मल्होत्रा, कबीर खान, ईशान खट्टर, अंगद बेदी और नेहा धूपिया ने भी इस पार्टी में शिरकत कीं।

कोरोना महामारी से पहले विक्की कौशल और कैटरीना कैफ को अक्सर साथ में स्पॉट किया जाता था। कुछ समय पहले मिड डे के साथ एक इंटरव्यू में विक्की कौशल ने कहा था, "डेटिंग करने में कोई बुराई नहीं है यह एक खूबसूरत फीलिंग है। मैं समझता हूं कि पैपराजी अपना काम कर रहे हैं।" "मैं यह भी समझता है पब्लिक फिगर होने के चलते लोगों को हमारी पर्सनल लाइफ में रुचि होती है यह सच है लेकिन यह पूरी तरह से मुझ पर डिपेंड करता है कि मैं इसे लोगों से शेयर करना चाहता हूं कि नहीं। मैं अपनी पर्सनल लाइफ की बातों को सभी के सामने रखने में सहज नहीं हूं और यह बहुत महत्वपूर्ण है।" वर्क फ्रंट की बात करें विक्की कौशल की अगली फिल्म का नाम सरदार उधम सिंह है, जिसमें वह फ्रीडम फाइटर उधम सिंह के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, कैटरीना अपनी नई फिल्म सूर्यवंशी की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। फिल्म में वह अक्षय कुमार के साथ लीड रोल में है। इस फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया है। चर्चा है कि यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

निकाह से पहले गौहर खान ने जैद दरबार का किया था मेकअप, यह वीडियो जीत लेगा आपका दिल

गौहर खान मंगेतर जैद दरबार के साथ शादी के बंधन में बंध चुकी हैं। इस वेडिंग सेरेमनी की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इस बीच एक वीडियो सामने आया है जिसमें गौहर खान, जैद का मेकअप करती नजर आ रही हैं।

वीडियो में देखा जा सकता है कि गौहर खान, जैद के चेहर पर फाउंडेशन लगा रही हैं। उनके इस अंदाज को बहुत पसंद किया जा रहा है। जैद का मेकअप करने के बाद गौहर खुद भी तैयार होती नजर आती हैं। यह वीडियो निकाह से पहले का है जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। गौहर खान ने निकाह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर की थीं। इसके साथ उन्होंने खूबसूरत कैप्शन लिखा था। फोटोज में गौहर व्हाइट एंड गोल्डल शरारा में नजर आई। इसके साथ उन्होंने हैवी जूलरी पहनी थी। वहीं, जैद क्रीम कलर की शेरवानी में काफी हैंडसम नजर आए। गौहर खान ने इन तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते कैप्शन में लिखा, "कुबूल है।" इससे पहले गुरुवार रात को दोनों स्टार्स ने अपनी मेहंदी सेरेमनी का सेलिब्रेशन किया था। इस दौरान जैद दरबार के पिता और दिग्गज संगीतकार इस्माइल दरबार 'हम दिल दे चुके सनम' का गाना लुट गए हम तेरी मोहब्बत में गाते नजर आए थे। उम्र के फासले को लेकर गौहर ने कही थी यह बात कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दोनों के बीच 12 साल का अंतर बताया जा रहा था। इस पर गौहर खान ने कहा था कि इस तरह की खबरें गलत हैं। वह मुझसे 12 साल छोटा नहीं है। यह ठीक है कि मेरी उम्र उससे कुछ अधिक है, लेकिन यह अंतर इतना बड़ा नहीं है। इसके अलावा गौहर खान ने कहा था कि भले ही मैं उम्र में जैद से बड़ी हूं, लेकिन वह मेरे मुकाबले कहीं ज्यादा मेच्योर हैं।

'मुन्ना भाई 3' की 3 स्क्रिप्ट हैं तैयार, अरशद वारसी ने किया है खुलासा

संजय दत्त और अरशद वारसी की 'मुन्ना भाई' सीरीज की दोनों ही फिल्में काफी पसंद की गई हैं। अब फैन्स को इस सीरीज की तीसरी फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। हालांकि इस बारे में अभी तक प्रड्यूसर विधु विनोद चोपड़ा और डायरेक्टर राजकुमार हिरानी ने कुछ भी कन्फर्म नहीं किया है। हालांकि अब अरशद वारसी ने बताया है कि इस सीरीज की तीसरी फिल्म के लिए अभी तक 3 स्क्रिप्ट लिखी जा चुकी हैं।

अरशद वारसी ने बताया है कि 'मुन्ना भाई 3' के लिए 3 स्क्रिप्ट फाइनल की जा चुकी हैं लेकिन वह यह नहीं बता सकते हैं कि इस फिल्म की शूटिंग कब शुरू होगी। इस सीरीज की पहली फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' साल 2003 में रिलीज हुई थी जो आज तक काफी पसंद की जाती है। साल 2006 में इसका सीक्वल 'लगे रहो मुन्ना भाई' रिलीज हुआ था जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था।

वैसे बता दें कि फरवरी के महीने में ऐसी खबरें आई थीं कि मुन्ना भाई सीरीज की तीसरी फिल्म का आइडिया फाइनल हो गया है लेकिन फिर भी इस साल में इसकी शूटिंग शुरू हो नहीं पाई है। वैसे इस साल संजय दत्त ने भी इस साल कई महीने कैंसर के इलाज के कारण काम नहीं किया था। अब उम्मीद की जा रही है कि अगले साल इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाए।

हैदराबाद के हॉस्पिटल में ऐडमिट हुए रजनीकांत, ब्लड प्रेशर में हो रहा उतार-चढ़ाव

सुपरस्टार रजनीकांत को शुक्रवार को हैदराबाद के अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है। इससे पहले इसी हफ्ते उनकी फिल्म से जुड़े 8 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। हालांकि, रजनीकांत कोविड नेगेटिव पाए गए थे लेकिन उनका ब्लड प्रेशर फ्लक्चुऐट कर रहा था। हॉस्पिटल की ओर से जारी प्रेस रिलीज में बताया गया, 'रजनीकांत को सुबह हॉस्पिटल में ऐडमिट कराया गया। वह हैदराबाद में पिछले 10 दिनों से फिल्म की शूटिंग कर रहे थे।' रजनीकांत का 22 दिसंबर को हुआ था टेस्ट रिलीज में आगे बताया गया, 'सेट पर कुछ लोग कोविड पॉजिटिव पाए गए थे। रजनीकांत का 22 दिसंबर को टेस्ट हुआ था और वह नेगेटिव थे। उसके बाद से उन्होंने खुद को आइसोलेशन में रखा और उनकी देखरेख की जा रही थी।'

रजनीकांत की हालत स्थिर

हैदराबाद के अपोलो अस्पताल की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, 'रजनीकांत को निगरानी में रखा गया है और उनके ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए दवाएं दी जा रही हैं। वह आज रात अस्पताल में ही रहेंगे और कल आगे की जांच की जाएगी। वह स्थिर हैं और आराम कर रहे हैं।' जांच के बाद किया जाएगा डिस्चार्ज प्रेस रिलीज के मुताबिक, 'रजनीकांत को कोविड-19 के लक्षण नहीं हैं, उनका ब्लड प्रेशर घट-बढ़ रहा है। इसकी जांच होनी है और इसीलिए उन्हें ऐडमिट किया गया है। जब तक उनका ब्लड प्रशर सेटल डाउन नहीं हो जाता, उनकी जांच की जाएगी और उसके बाद ही डिस्चार्ज किया जाएगा।' फिल्म की शूटिंग पोस्टपोन बात करें फिल्म की तो Annaatthe की शूटिंग को फिलहाल के लिए पोस्टपोन कर दिया गया है। टीम पहले कास्ट और क्रू की सेफ्टी का ध्यान रख रही है।

"मार्शल आर्ट को हर घर और हर व्यक्ति तक पहुँचाना चाहता हूँ।"- चीता यज्ञेश शेट्टी

मुंबई। "चीता जीत कुन डू ग्लोबल स्पोर्ट्स फेडरेशन"(सीजेकेडी) के चेयरमैन और फिल्मों के सुप्रसिद्ध मार्शल आर्ट एक्सपर्ट चीता यज्ञेश शेट्टी ने अपने फेडरेशन के जरिये मार्शल आर्ट को देश - विदेश में बुलंदियों पर पहुंचाया और उनका जूनून देखकर लगता है कि हर घर तक मार्शल आर्ट को पहुंचाकर दम लेंगे। मुंबई के सन एंड सेंड होटल में एक कार्यक्रम के दौरान श्री सगीर हाइड्रोज़ न्यखर को दिल्ली सीजेकेडी का चैयरमैन नियुक्त किया, जोकि कम उम्र के बच्चों और वृद्ध बेघर लोगों के लिए बहुत काम कर रहे है और वे ' फ़ूड कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया' (केरला) के सदस्य है। तथा उनके साथ सीमा अनेजा 'भावना' को दिल्ली सीजेकेडी का वॉइस चैयरमैन नियुक्त किया, जोकि एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ़ इंडिया की नेशनल चीफ डायरेक्टर है और उनके साथ साथ सुभाष तोमर को सेक्रेटरी बनाया गया।

इस अवसर पर यज्ञेश शेट्टी ने कहा," मैं चाहता हूँ कि देश विदेश के सभी लोग स्वस्थ और तंदरुस्त बने और इसके लिए मार्शल आर्ट के बारे में लोग जाने और इसे सीखे, मेरी यही इच्छा है। और मार्शल आर्ट को हर घर और हर व्यक्ति तक पहुँचाना चाहता हूँ। इसके लिए मैं कोशिश कर रहा हूँ और आगे भी करता रहूँगा।"

अपने जीजा आयुष शर्मा से पहले गोविंदा, बॉबी देओल, कैटरीना जैसे एक्टर्स को स्टार बना चुके हैं सलमान खान

सलमान खान की अगली फिल्म अंतिम का टीजर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में सलमान खान और अपने जीजा आयुष शर्मा के साथ नजर आएंगे। सलमान खान को बॉलीवुड के रॉबिनहुड के रूप में जाना जाता है। दिलदार माने जाने वाले इस एक्टर ने बॉलीवुड में कई नए चेहरों को एक मंच दिया है। सलमान ने एक्टर से लेकर गायकों जिनके डूबती नैया को सलमान खान ने इंडस्ट्री में बचाए रखने में मदद की या कुछ ऐसे नए चेहरे जिन्हें मौके दिए।

बॉबी देओल

लंबे समय तक सुर्खियों से दूर रहने के बाद एक्टर बॉबी देओल ने सलमान खान की फिल्म 'रेस 3' के साथ इंडस्ट्री में वापसी की। बॉबी को आखिरी बार श्रेयस तलपड़े की फिल्म 'पोस्टर बॉयज़' में देखा गया था। फिल्म में उनके प्रदर्शन को काफी सराहा गया और यकीनन इससे उन्हें बड़े बैनर के प्रोजेक्ट में जगह मिली।

इसके अलावा, सलमान खान जिन्होंने जाहिर तौर पर 'रेस 3' में अपने काम से सभी को प्रभावित किया था ने भी कथित तौर पर अपने आगामी फिल्म 'भारत' में एक महत्वपूर्ण चरित्र के लिए भी उनसे संपर्क किया है। हालांकि किसी कारण से बॉबी फिल्म भारत का हिस्सा नहीं बन पाए थे।

कैटरीना कैफ

इस बात से कोई इनकार नहीं करता है कि कैटरीना कैफ और सलमान दोनों ही ऑनस्क्रीन एक शानदार जोड़ी के रूप में काम करते हैं। केवल इतना ही नहीं, बल्कि ऑफस्क्रीन भी दोनों एक दूसरे के लिए अपने दिलों में खास जगह रखते हैं और काफी अच्छे दोस्त माने जाते हैं। ऐसे में सलमान की वजह से कैटरीना को भी अपने करियर में कुछ बड़े मौके मिले हैं। सलमान खान की अभिनीत फिल्म 'मैने प्यार क्यूं किया' में कैटरीना ने खूब सुर्खियां बटोरीं थी, इसके बाद 'पार्टनर' आई जहां उन्हें गोविंदा के साथ जोड़ा गया था, लेकिन वह 'एक था टाइगर' फिल्म थी जिसने कैटरीना को काफी स्टारडम में दिलाया।हालांकि, कथित तौर पर रणबीर कपूर के साथ डेटिंग शुरू करने के बाद सलमान के साथ उनका कथित रिश्ता टूट गया, लेकिन रणबीर के साथ उनके ब्रेकअप के बाद उन्हें 'दबंग' फिल्म में फिर के हाथो हाथ लिया गया। सलमान खान ने एक्ट्रेस को काफी नाम दिलाया है।

अरमान कोहली

टेलीविजन रियलिटी शो बिग बॉस 7 में अपने सफल काम के बाद, अरमान ने अपनी और कई लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इतना ही नहीं, उन्होंने होस्ट सलमान खान का भी ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया, जिन्होंने लंबे समय से खोए अभिनेता को वापसी करने का एक मौका दिया। सलमान खान ने अरमान को अपनी फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में एक भूमिका की पेशकश की, जो कि सोराज बड़जात्या द्वारा निर्देशित फिल्म है। अरमान ने फिल्म में सलमान के दूसरे भाई 'चिराग' की भूमिका निभाई। कहने की जरूरत नहीं है, अरमान के चरित्र ने दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया गया। यह फिल्म 11 साल बाद सिल्वर स्क्रीन पर अरमान की वापसी थी।

गोविंदा

90 के दशक में काफी सफल रहने के के बाद गोविंदा का करियर 2000 के दशक के थोड़ा शांत रहा। गोविंदा ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वह लगभग चार साल तक बिना काम के घर पर थे, इस दौरान उन्हें सलमान खान का फिल्म 'पार्टनर' के साथ बॉलीवुड में वापसी का मौका मिला था। सलमान ने ना केवल गोविंदा की आर्थिक मदद की, बल्कि फिल्म में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद यह भी खबरों में आया कि सलमान एक बार फिर से गोविंदा के बचाव में आए, जब उन्होंने डांस रियलिटी शो 'झलक दिखला जा' के जजों के नाम के लिए गोविंदा के नाम को आगे बढ़ाया था।

सुनील शेट्टी

इंडस्ट्री में एक जानी-मानी हस्ती होने और करियर का अच्छा खासा हिस्सा बिताने के बावजूद, अभिनेता सुनील शेट्टी ने 'मेरे दोस्त पिक्चर अब तक है', 'तुम मिलो तो सही' और 'थैंक यू' जैसी कुछ फिल्मों में अभिनय करने के बाद अपनी चमक खो दी थी। ऐसे में सलमान ने उनकी मदद की। यह उस समय की बात है जब सलमान और सोहेल खान ने 'जय हो' के लिए साइन किया था, जहां अभिनेता ने एक सैन्य अधिकारी की भूमिका निभाई थी।

शोले में धर्मेंद्र ने असली बंदूक से चला दी थी गोली, बाल-बाल बचे थे अमिताभ बच्चन

अमिताभ बच्चन ने ऑल टाइम हिट मूवी शोले को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि फिल्म में धर्मेंद ने एक सीन में असली बंदूक का इस्तेमाल किया था। यही नहीं धर्मेंद की बंदूक से चली गोली उनके कान के करीब से निकल गई थी। अमिताभ बच्चन ने कौन बनेगा करोड़पति के एपिसोड में इस मजेदार किस्से का खुलासा किया। हाल ही में अपने 45 साल पूरे करने वाली फिल्म शोले को हिंदी सिनेमा की सदाबहार फिल्मों में गिना जाता है। दरअसल केबीसी के प्रतिभागी प्रीत मोहन सिंह ने कार्यक्रम के दौरान बताया था कि उन्हें शोले फिल्म काफी पसंद है। इस पर अमिताभ ने मूवी से जुड़ी यह दिलचस्प बात शेयर की।

सीआरपीएफ के डीआईजी प्रीत मोहन सिंह ने कहा कि उन्हें फिल्म के क्लाइमेक्स को देखकर यह लगता है कि जय यानी अमिताभ बच्चन की जान बचाने के लिए वीरू (धर्मेंद्र) को और ज्यादा हथियार रखने चाहिए थे। इस पर फिल्म की शूटिंग का किस्सा शेयर करते हुए अमिताभ बच्चन ने बताया, 'हम जब इस फिल्म की शूटिंग कर रहे थे तो धर्म जी नीचे थे और मैं पहाड़ी के ऊपर था। धर्मेंद ने सीना खोला और गोलियां भरने लगे। उन्होंने कई बार ऐसा किया, लेकिन असफल रहे। वह काफी परेशान हो गए थे। इसके बाद उन्होंने कारतूस लिया और उसे बंदूक में डाल दिया। उसमें असली गोलियां थीं। वह सही शॉट न दे पाने से काफी परेशान थे और उन्होंने फायर कर दिया। मैंने एक आवाज महसूस की। दरअसल मैं पहाड़ी पर खड़ा था और गोली मेरे कान के करीन से निकल गई।' अमिताभ बच्चन ने फिल्म की शूटिंग का किस्सा सुनाते हुए कहा कि मैं बच गया था। ऐसे कई रोचक किस्से उस फिल्म के लिए रहे हैं। उन्होंने कहा

कि शोले एक स्पेशल मूवी थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन की रियल वाइफ जया बच्चन भी थीं। इसके अलावा धर्मेंद्र की रियल वाइफ हेमा मालिनी भी फिल्म में थीं। वह धर्मेंद्र की प्रेमिका के रोल में नजर आई थीं। फिल्म में दिग्गज अभिनेता संजीव कुमार ठाकुर के रोल में थे, जबकि अमजद खान ने गब्बर की भूमिका अदा की थी। फिल्म का निर्देशन रमेश सिप्पी ने किया था।

बता दें कि इसी साल अगस्त में रमेश सिप्पी ने बताया था कि इस मूवी में संजीव कुमार, अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र सभी ने गब्बर का रोल प्ले करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने बताया था कि ये तीनों ही अभिनेता अपनी हीरो वाली इमेज छोड़कर गब्बर बनना चाहते थे, लेकिन मैंने इसके लिए अमजद खान को चुना। यही नहीं अमजद से भी पहले वह डैनी को लेकर चाहते थे, लेकिन उनके व्यस्त होने के चलते फिर अमजद खान को ही मौका मिला। इस रोल में वह काफी पसंद किए गए।

हिन्द सागर कार्यालय पर विशिष्ट अतिथि गौसेवक, समाजसेवी श्री पुखराज जी महाराज तथा प्रकाशक चतुर्भुजा शिवसागर पान्डेय ने किया विमोचन

गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हिन्द सागर द्वारा प्रकाशित वार्षिक कैलेन्डर 2021 का विमोचन हिन्द सागर के दक्षिण भारतीय कार्यालय बेगलूरू मे प्रकाशक चतुर्भुजा शिवसागर पान्डेय द्वारा सैकडों पत्रकारों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति मे दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कलेन्डर बिमोचन के पश्चात उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुये कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री चतुर्भुजा शिवसागर ने अपने उदबोधन मे कहा कि पत्रकार को निर्भीक हो कर शोषित बंचित एवं समाज के अंतिम ब्यक्ति की परेशानियों को उजागर करना चहिये। उन्होंने कहा कि पत्रकार को जहाँ एक ओर अपने कलम की ताकत से कार्य पालिका मे ब्याप्त भष्टाचार, को उजागर करना चहिये वही आम जनों को उनके कल्याण से सम्बंधित जानकारियों ,संविधान मे दिये गये नागरिक अधिकारो के प्रति भी जागरूक करना चहिये। इसके पहले बिदरहल्ली स्थिति हिन्द सागर के कार्यालय मे मुख्य अतिथि चतुर्भुजा शिवसागर पान्डेय एवं विशिष्ट अतिथि गौसेवक, समाजसेवी श्री पुखराज जी महाराज, सहित हिन्दी भाषी विभिन्न समाजों यथा प्रजापति समाज, गुर्जर समाज, राजपूत समाज, घासी समाज, निषाद समाज, देवासी समाज, गौड़ ब्राह्मण समाज, आँजणा पटेल समाज, जैन समाज, वैष्णव समाज, दर्जी समाज, बाह्मण समाज, सेन समाज, कुमावत समाज, राजपुरोहित समाज, माली समाज, चौरसिया समाज, विश्नोई समाज, सीरवी समाज, जाट समाज, सुथार समाज, चरण समाज द्वारा संचालित संगठनों के आमंत्रित प्रतिनिधियों का फूल मालाओं, स्वागत गीतों से स्वागत किया गया। सरस्वती बन्दना का सुमधुर वाचन बन्दना पाण्डेय ने, स्वागत गीत दिब्या तिवारी व दिलीप पात्रा ने गया। कर्नाटक इकाई के संपादक अष्टभुजा पाण्डेय ने हिन्द सागर के चार वर्षों के उतार चढ़ाव पर चर्चा एवं भविष्य की योजनाओ और उन्हें पूर्ण करने के लिए कार्य योजना पर प्रकाश डाला।

> हिन्द सागर कार्यालय पर विशिष्ट अतिथि गौसेवक, समाजसेवी श्री पुखराज जी महाराज तथा प्रकाशक चतुर्भुजा शिवसागर पान्डेय ने किया विमोचन

कर्नाटक के सक्रिय मीडिया कर्मियों की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए मुख्य अतिथि द्वारा सक्रिय मीडिया साथियों को जहाँ एक ओर शाल पहना कर सम्मानित किया वही दूसरी ओर अन्य विशेष उपहार सहित डायरी, कलेन्डर दे कर पुरस्कृत किया। विभिन्न समाजों से पधारे विशेष आमंत्रित अतिथियों को भी शाल पहना कर, वार्षिक कैलेन्डर डायरी पेन से सम्मानित किया गया। हिन्द सागर मीडिया समूह कर्नाटक इकाई के पत्रकारों, फोटोग्राफरों, मीडिया मार्केटिंग व पदाधिकारियों के विशाल नेटवर्क व समाज से विशेष आमंत्रित अतिथियों को सम्बोधित करते हुए श्री पुखराज जी महाराज ने मीडिया की ताकत व मीडिया पार्टनर बनने का लाभ बताते हुए कहा कि हिन्द सागर मीडिया के सहयोग से गौशाला के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा 5 एकड़ भूमि हमे प्राप्त हुआ है। जिसके सभी दस्तावेज एवं अन्य प्राशासनिक कार्य हिन्द सागर मीडिया समूह की देख रेख में हुआ, पुखराज जी महाराज ने समाज से अपील किया कि हिन्द सागर को आप लोंगों के प्रयास एवं सहयोग से दैनिक समाचार पत्र के रूप मे शीघ्र प्रकाशित किया जायेगा।कार्यक्रम को सफल बनाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले मीडिया साथियों में नीलमणि राउत, राजूराम प्रजापति, जालम सिंह राजपुरोहित, मंजूनाथ एम., रमेश कुमार, माधव लाल सीरवी, अनिल कुमार, मदन लाल प्रजापति, दिब्या तिवारी,बन्दना पाण्डेय, सम्पतराज, अमर चंद सीरवी, दिलीप पात्रा, भवरलाल देवासी, राजेश कुमार, हीरालाल, पीयूष पंडित, जेठाराम पटेल, दगलाराम, चेनाराम, गोविंदलाल प्रजापति, मंगलाराम प्रजापति, आदि अनेक साथियों ने महती

भूमिका निभाई। धन्नाराम चौधरी जी ने कार्यक्रम का समापन संदेश दिया और सभी साथियों से अगले वार्षिकोत्सव तक कर्नाटक के सभी 30 जिलों में मीडिया मार्केटिंग व पाठकों का एक विशाल नेटवर्क खड़ा करने पर बल दिया, साथ ही यह संदेश भी दिया कि हिन्द सागर समाचार पत्र कर्नाटक सरकार द्वारा अधिमान्य समाचार पत्र हो चुका है यही सही समय है जब सभी मीडिया साथी पूरी ताकत से कार्य मे लगें और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त का अधिमान्य पत्रकार/ फोटोग्राफर बनें जो प्रत्येक मीडिया साथी का अंतिम लक्ष्य होता है। कार्यक्रम का समापन पुखराज जी महाराज के जयघोष जय हिंद, जय हिंद सागर, जय कर्नाटक और वंदेमातरम के साथ समाप्त हुआ। कार्यक्रम समापन के पश्चात मध्यान्ह भोजन व सभी अतिथियों को घर ले जाने के लिए उपहार स्वरूप एक स्वीट बॉक्स दिया गया।

पूर्व भाजपा नेता खडसे को भोसरी जमीन सौदा मामले में ईडी ने तलब किया

मुम्बई, पूर्व भाजपा नेता एकनाथ खडसे ने शनिवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पुणे के समीप भोसरी में जमीन सौदे के सिलसिले में उन्हें 30 दिसंबर को पूछताछ के लिए अपने मुम्बई कार्यालय बुलाया है। हाल ही में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में शामिल हुए खडसे ने इसी जमीन सौदे के संबंध में आरोपों से घिरने के बाद 2016 में देवेंद्र फड़णवीस नीत महाराष्ट्र मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। आरोप है कि उन्होंने अपने परिवार द्वारा सरकारी जमीन की खरीद में अपने पद का दुरूपयोग किया। खडसे ने पीटीआई भाषा से कहा कि उन्हें ई-मेल के माध्यम से ईडी से समन मिले हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी और दामाद द्वारा किये गये इस जमीन सौदे की राज्य के सतर्कता ब्यूरो की पुणे और नासिक इकाइयों तथा आयकर विभाग ने भी जांच की लेकिन इन एजेंसियों ने चार करोड़ के इस सौदे में कुछ अवैध नहीं पाया। उन्होंने कहा, '' मैंने सभी एजेंसियों के साथ सहयोग किया और अब मैं ईडी कार्यालय भी जाऊंगा। '' खडसे अपने इस्तीफे के बाद लंबेसमय तक नाराज रहे थे क्योंकि उन्होंने दावा किया था कि उन्हें पाक साफ करार दिया गया था भाजपा ने उन्हें दरकिनार कर दिया। वह भाजपा छोड़कर राकांपा में शामिल हो गये।

मलबार हिल को नेल टेक्नॉलजी से मजबूत करेगी BMC

मुंबई, अगस्त महीने में भारी बारिश के कारण ढह गई मलबार हिल टेकडी को बीएमसी नेल टेक्नॉलजी से दोबारा मजबूत बनाएगी। इसके लिए 50 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बरसात को छोड़कर छह महीने में यह काम पूरा होगा। नेल टेक्नॉलजी के अंतर्गत गिरी मिट्टी में स्टील का रॉड लगाकर धातु की जाली लगाई जाएगी। 5 अगस्त को मुंबई में हुई भारी बारिश की वजह से मलबार हिल टेकडी का बड़ा हिस्सा गिर गया था। टेकडी को दोबारा दुरुस्त करने के लिए बीएमसी ने आईआईटी के प्राध्यापक डी. एन.सिंह की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था। इस समिति ने टेकडी को नेल टेक्नॉलजी से मजबूत करने की सिफारिश की है। साथ ही बी. ज़े खेर रोड एवं

एन.एस़ पाटकर मार्ग की भी मरम्मत का उपाय बताया है। टेकडी की मरम्मत व सलाहकार की फीस सहित बीएमसी ने इस काम के लिए 50 करोड़ 49 लाख रुपये तय किए हैं। यह प्रस्ताव बुधवार को स्थायी समिति की बैठक में मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। मालाबार हिल पहाड़ी को नेल टेक्नॉलजी से मजबूत करने के बाद पांच साल तक कोई खतरा नहीं होगा। इसकी गारंटी काम करनेवाले ठेकेदार से ली जाएगी। मलबार हिल पहाड़ी को मजबूत करने और सड़क बनाने के लिए बीएमसी ने आठ विशेषज्ञों को नियुक्त किया था। इसमें से चार सदस्य बीएमसी के बाहर से हैं, जिनकी फीस पर 45 लाख 50 हजार रुपये खर्च किए गए।

क्रिसमस के बाद ब्रिटेन में सख्त लॉकडाउन, कोरोना के नए स्ट्रेन से मची है तबाही

लंदन, ब्रिटेन के विभिन्न हिस्सों में लाखों और लोग 26 दिसम्बर को सख्त लॉकडाउन पाबंदियों के दायरे में आ गए। कोरोना वायरस के अधिक संक्रामक नये स्वरूप को फैलने से रोकने के लिए नयी योजना की घोषणा की गई है। पूर्व और दक्षिण पूर्व ब्रिटेन में करीब 60 लाख लोग टीयर-4 लॉकडाउन के दायरे में आ गए हैं जो ब्रिटेन में कोविड पर काबू के लिए सबसे उच्चतम स्तर है। इसके तहत लोगों को घरों में रहने का आदेश भी दिया जाता है। ब्रिटेन के अधिकतर हिस्सों में लोगों के बाहर निकलने पर रोक

लॉकडाउन स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड में भी शुरू हो गया है तथा क्रिसमस के दिन छूट के बाद वेल्स में उपाय फिर से लागू कर दिये गए हैं। सबसे सख्त टीयर-4 पाबंदियों के तहत, सभी गैर-आवश्यक दुकानें, बार और रेस्तरां बंद हैं और लोगों के मिलने-जुलने की अनुमति नहीं है। लंदन सहित ब्रिटेन का एक बड़ा हिस्सा क्रिसमस से पहले से ही इस स्तर में था क्योंकि इन क्षेत्रों में कोरोना वायरस के नए प्रकार के तेजी से फैलने की बात सामने आयी थी।

दिल्ली में पहले फेज में 51 लाख लोगों का होगा Covid वैक्सीनेशन, तैयार किए जाएंगे एक हजार बूथ

नई दिल्ली, राजधानी दिल्ली में Covid-19 वैक्सीनेशन के पहले फेज में 51 लाख लोगों को कोविड शॉट्स दिए जाएंगे। इसके लिए करीब एक हजार वैक्सीनेशन बूथ तैयार किया जाएगा, जो कि दिल्ली के 48 सरकारी और 100 प्राइवेट हॉस्पिटल में होगा। ये वैक्सीनेशन बूथ 603 कोल्ड चेन पॉइंट्स से अटैच होगा। साथ ही मोहल्ला क्लिनिक में भी वैक्सीनेशन बूथ तैयार किये जाएंगे।

वैक्सीनेशन की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। 3500 लोगों को ट्रेनिंग दी गई है, जिनमें से दर्जनों प्राइवेट अस्पतालों के 600 हेल्थकेयर प्रफेशनल्स शामिल हैं। सरकार के वैक्सीनेशन प्रोग्राम का हिस्सा बनने की इच्छा जाहिर कर चुके प्राइवेट अस्पतालों को भी शामिल किया गया है। जिसे भी वैक्सीनेशन लगना है, उसे अथॉरिटी की तरफ से एसएमएस के जरिये जानकारी मिलेगी, जिसमें बूथ और समय का जिक्र रहेगा।

सभी 51 लाख लोगों का मुफ्त में वैक्सीनेशन

दिल्ली वैक्सीनेशन प्रोग्राम कोविड टास्क फोर्स की सदस्य और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में कम्युनिटी मेडिसिन की निदेशक प्रफेसर डॉक्टर सुनीला गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी 51 लाख लोगों का

मुफ्त में वैक्सीनेशन होगा। डॉक्टर गर्ग ने बताया, 'सभी बूथों पर वैक्सीनेशन का निरीक्षण कार्य सरकारी अधिकारियों की तरफ से किया जाएगा।'

Corona Vaccine: कोरोना की देसी वैक्सीन के दुनिया में चर्चे, प्रतिष्ठित जर्नल लैंसेट में छपेगा डेटा

वैक्सीनेशन बूथ पूरे शहर भर में बनाए जाएंगे। यह प्रक्रिया सुबह 9 बजे से शुरू होकर शाम 5 बजे तक चलेगी। 3 हजार कर्मचारियों वाले लोकनायक अस्पताल में कोल्ड चेन है और यहां 5 वैक्सीनेशन बूथ होने की संभावना है। ऐसे ही कुछ बड़े प्राइवेट अस्पतालों में भी कई वैक्सीनेशन बूथ होंगे।

वैक्सीन लगवाना है तो यहां करें संपर्क

हर एक बूथ पर सुबह 9 से लेकर शाम को 5 बजे तक करीब 100 वैक्सीन शॉट्स दिए जाएंगे। हर बूथ पर 3 कमरे होंगे। इनमें से एक में आधार कार्ड सहित अन्य पहचान पत्रों के आधार पर वेरिफिकेशन होगा। दूसरे में वैक्सीन शॉट्स दिये जाएंगे। और वैक्सीन लगने के बाद तीसरे कमरे में करीब आधे घंटे तक रखा जाएगा। 28 दिनों तक मॉनिटरिंग के बाद वैक्सीन का दूसरा डोज दिया जाएगा।

कोरोना: 'नए स्ट्रेन' से भी जंग लड़ेगी मॉडर्ना की वैक्सीन, कंपनी का दावा

कोविड-19 वैक्सीन शॉट्स के पहले फेज में 3 लाख हेल्थकेयर वर्कर्स को, 6 लाख फ्रंटलाइन वर्कर्स और 50 साल से अधिक उम्र या किसी अन्य बीमारी से ग्रस्त 42 लाख लोगों को वैक्सीनेशन किया जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि जिसे भी अपना नाम रजिस्टर्ड कराना है, उसे जिले के चीफ मेडिकल ऑफिसर से संपर्क करना होगा।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाइटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।